डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -45 | प्रयागराज, बुधवार 19 अप्रैल, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

खेलः कई खिलाड़ियों का टीम के लिए...

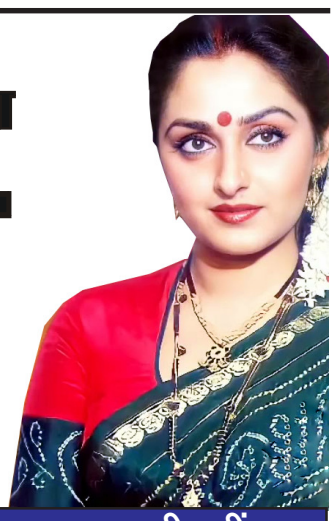

सिनेमा : एक्ट्रेस जया प्रदा कभी नहीं...

संक्षिप्त समाचार

करनाल में चावल मिल की इमारत गिरी,चार की मौत

चंडीगढ़। हरियाणा के करनाल जिले में मंगलवार तड़के तीन मंजिला चावल मिल का एक हिस्सा ढहने से चार मजदूरों की

मौत हो गई और 20 अन्य जख्मी हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि बचाव अभियान जारी है। मौके पर कुछ मजदूरों ने पत्रकारों को बताया कि घटना के वक्त इमारत में करीब 150 श्रमिक सो रहे थे। तरावड़ी थाने के प्रभारी (एसएचओ) संदीप ने फोन पर पीटीआई-को बताया, ' इस घटना में चार लोगों की मौत हुई है।

पंजाब और दिल्ली पुलिस ने मोहाली में दी दबिश भगोड़े अमृतपाल की मदद करने वाले दो साथी गिरफ्तार

नई दिल्ली। खालिस्तान समर्थक और वारिस पंजाब के मुखिया अमृतपाल सिंह के दो और करीबियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पंजाब के मोहाली के सेक्टर 89 से 2 लोगों को हिरासत में लिया है। जानकारी के मुताबिक पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए लोगों में एक महिला भी है। बताया जाता है कि पुलिस ने जिन दो लोगों को हिरासत में लिया है उन पर अमृतपाल को भगाने में मदद करने का आरोप है। दोनों ने उसे संसाधन उपलब्ध कराए थे। पकड़े गए दो लोगों में से एक का नाम गुरजंट सिंह और महिला का नाम निशा रानी बताया गया है। इससे पहले बीते दिनों कट्टरपंथी उपदेशक और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के एक करीबी सहयोगी को यहां ने तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में अमृतपाल सिंह को पनाह देने और अन्य सहायता प्रदान करने के आरोप में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए जोगा सिंह को रविवार को एक अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने कहा था कि लुधियाना निवासी और पीलीभीत में एक डेरा के प्रभारी जोगा सिंह को फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद से गिरफ्तार किया गया था, जब वह हरियाणा से पंजाब आया था।

अतीक-अशरफ हत्याकांड के बाद पहली बार बोले योगी अब उत्तर प्रदेश में माफिया किसी को धमकी नहीं दे सकता

लखनऊ (एजेंसी)। हाल में ही प्रयागराज में माफिया से राजनेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद विपक्ष जबरदस्त तरीके से राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमलावर हुआ। विपक्ष साफ तौर पर कह रहा है कि राज्य में जंगलराज है। इस हत्याकांड को लेकर विवाद इसलिए भी हो रहा है क्योंकि पुलिस कस्टडी में रहते हुए अतीक और उसके भाई अशरफ को गोली मारी गई है। इन सबके बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस हत्याकांड के बाद पहली बार सार्वजनिक तौर पर अपना बयान दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि अब उत्तर प्रदेश में माफिया किसी को धमकी नहीं दे सकते।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले प्रदेश में लगातार दंगे होते थे। 2012 से 17 के बीच में 700 से ज्यादा दंगे उत्तर प्रदेश में हुए। 2007 से 2012 के बीच में 364 से अधिक दंगे उत्तर प्रदेश में हुए हैं। लेकिन 2017 से आज तक उत्तर

प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ है। योगी ने साफ तौर पर कहा कि एक भी बार उत्तर प्रदेश में कर्फ्यू नहीं लगा। इसकी नौबत ही नहीं आई। उन्होंने कहा कि यह निवेश और उद्यम स्थापित करने के लिए सबसे अनुकूल अवसर होता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अब पेशेवर अपराधी माफिया किसी उद्यमी को फोन से डरा धमका नहीं सकता। उत्तर प्रदेश आज बेहतरीन कानून व्यवस्था की गारंटी देता है।

उच्चतम न्यायालय उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या की स्वतंत्र जांच का अनुरोध करने वाली याचिका पर 24 अप्रैल को सुनवाई करने के लिए मंगलवार को सहमत हो गया। अतीक और अशरफ़ को शनिवार रात को पत्रकार बनकर आए तीन लोगों ने उस वक्त नजदीक से गोली मार दी थी, जब वे चिकित्सा जांच के लिए प्रयागराज के एक मेडिकल कॉलेज में पुलिसकर्मियों द्वारा ले जाए जाते समय पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने मामले का, तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख करने वाले वकील विशाल तिवारी की दलीलों पर गौर किया।

मुख्यमंत्री योगी को सोशल मीडिया पर धमकी, मामला दर्ज

बागपत। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गोली मारने की धमकी संबंधी पोस्ट यहां सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि विवेचना के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उसके अनुसार प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी बागपत का रहने वाला नही है। बागपत कोतवाली पुलिस के मुताबिक अमन रजा नामक एक व्यक्ति ने फेसबुक पर मुख्यमंत्री को गोली मारने की धमकी से संबंधित संदेश डाला है। बागपत पुलिस क्षेत्राधिकारी डी के शर्मा ने बताया कि अमन रजा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की विवेचना के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

भ्रष्टाचार समाज के लिए गंभीर खतरा, इससे सख्ती से निपटना चाहिए : उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भ्रष्टाचार के एक मामले में भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के एक अधिकारी को गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा दी गई अग्रिम जमानत को खारिज करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार समाज के लिए एक गंभीर खतरा है और इससे सख्ती से निपटना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि भ्रष्टाचार न केवल

सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाता है, बल्कि सुशासन को भी प्रभावित करता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी की पीठ ने आईआरएस अधिकारी संतोष करनानी को उच्च न्यायालय से मिली अग्रिम जमानत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर रद्द कर दी। शीर्ष अदालत ने कहा, ''कथित अपराध की प्रकृति और गंभीरता को उच्च न्यायालय द्वारा ध्यान में रखा जाना चाहिए था। भ्रष्टाचार हमारे समाज के लिए एक गंभीर खतरा है और इससे सख्ती से निपटना चाहिए। यह न केवल सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाता है, बल्कि सुशासन को भी प्रभावित करता है।'' शीर्ष अदालत ने कहा कि आम आदमी सामाजिक कल्याण योजनाओं के लाभ से वंचित है और सबसे ज्यादा प्रभावित है। अदालत ने कहा, ''यह ठीक ही कहा गया है कि भ्रष्टाचार एक ऐसा पेड़ है, जिसकी शाखाएं हर जगह फैल जाती हैं। इसलिए और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

पुलवामा कांड पर मलिक के बयान के मामले में उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच हो : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2019 के पुलवामा हमले के संबंध में जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के बयान के संदर्भ में

उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच की मांग की। पुलवामा की घटना में सीआरपीएफ के 40 जवान मारे गये थे। बनर्जी ने राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की चूक की वजह से भारत ने इन जवानों को खो दिया।

उन्होंने कहा, ''सत्यपाल मलिक जी ने जो कहा, वह डरावना है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार ने महज मतदाताओं के ध्रुवीकरण के लिए और फर्जी राष्ट्रवाद का माहौल बनाने के लिए सीआरपीएफ के जवानों की सुरक्षा की अनदेखी की। उनके मुताबिक पुलवामा हमला खुफिया तंत्र की नाकामी था।'' बनर्जी ने कहा, ''हमने 2019 में भी इस मुद्दे को उठाया था, लेकिन चूंकि उस समय यह राष्ट्र प्रथम का विषय था, इसलिए हम सरकार के खिलाफ कुछ नहीं कहना चाहते थे। हालांकि, आज सच सामने आ गया है। भाजपा सरकार 2019 में सत्ता में थी और केंद्र की गलती से हमने हमारे जवानों की जान गंवा दी।''

मुख्यमंत्री ने मलिक द्वारा एक साक्षात्कार में किये गये दावों के मामले में उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच की मांग की। उन्होंने कहा, ''अगर सर्वोच्च पदासीन शामिल है तो उच्चतम न्यायालय ही निष्पक्ष जांच कर सकता है। मुझे उच्चतम न्यायालय में पूरा भरोसा है और केवल न्यायपालिका ही इस देश को बचा सकती है। पुलवामा में जो हुआ, उसकी जांच कराना जरूरी है, तभी लोगों को सच का पता चलेगा।'' मलिक का साक्षात्कार शुक्रवार को सामने आया जिसके बाद सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन भाजपा ने मलिक के पिछले कुछ बयानों का हवाला देते हुए कहा कि उनकी विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

कर्नाटक में अमूल का बहिष्कार करने की कोई जरूरत नहीं : गुजरात के मुख्यमंत्री

सूरत। कर्नाटक में 'नंदिनी बनाम अमूल' की लड़ाई के बीच गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को कहा कि दक्षिणी राज्य में अमूल के बहिष्कार की कोई जरूरत नहीं है। दोनों सहकारी दुग्ध उत्पादक संघों - नंदिनी और अमूल के बीच विवाद हाल में शुरू हुआ, जब अमूल ने घोषणा की कि वह बेंगलुरु में अपने दुग्ध उत्पादों की आपूर्ति करेगा। पटेल ने कहा, "मेरे विचार से अमूल का बहिष्कार करने की कोई जरूरत नहीं है। आप जो करना चाहते हैं, करते रहें। अगर अमूल कुछ छीन रहा हो, तो यह विरोध का विषय है।" कर्नाटक में विपक्षी दल कांग्रेस और जनता दल (सेक्युलर) ने आरोप लगाया है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अमूल को दक्षिणी राज्य में अनुमति देकर नंदिनी को "खत्म" करना चाहती है।

अतीक-अशरफ हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल 24 अप्रैल को होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उच्चतम न्यायालय 24 अप्रैल को गैंगस्टर-राजनेता अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस हिरासत में हुई हत्या की जांच की मांग वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करेगा। अरुण कुमार मौर्य, लवलेश तिवारी और सनी सिंह नाम के तीन शूटर मीडियाकर्मियों के भेष में आए और पुलिस हिरासत में गैंगस्टर-राजनेता अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को एक अस्पताल से मेडिकल जांच के लिए ले जाया जा रहा ठीक उसी वक्त ज़िगाना पिस्टल से दोनों को गोली मार दी गई। प्रयागराज में बीते शनिवार की रात घटित पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई। गोली मारने के बाद, हमलावरों को पुलिस ने पकड़ लिया और

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। याचिका अधिवक्ता विशाल तिवारी ने दायर की है, जिन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ से जल्द सुनवाई की मांग की है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि जांच उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में की जानी चाहिए। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की देखरेख में एक विशेषज्ञ समिति द्वारा 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश में हुई 183 मुठभेड़ों की जांच की भी मांग की गई है।

आत्महत्या की कोशिश के ज्यादातर मामलों में गुजरना पड़ता है उत्पीड़न से

नई दिल्ली। लता जहर खाकर आत्महत्या की कोशिश करने के बाद अस्पताल से इलाज कराकर हाल में लौटी थी और वह वापस घर आकर राहत की सांस ले रही थी लेकिन पुलिस के इस उत्पीड़न, पड़ोसियों की कानाफूसी तथा दखलअंदाजी के कारण वह फिर से निराशा से घिर गयी। दुखद रूप से लता की कहानी भारत में बहुत आम है। भारत में 2021 में 1,64,000 से अधिक लोगों ने आत्महत्या की जो 2020 के मुकाबले 7.2 प्रतिशत अधिक है।

आत्महत्या की कोशिश भारतीय दंड संहिता की धारा 309 के तहत तब तक दंडनीय अपराध थी जब तक कि 2018 में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल कानून पास नहीं हो गया, जिसके कारण धारा 309 को अपवाद बनाकर आत्महत्या को अपराध के दायरे से बाहर लाया गया। इस कानून की धारा 115 में माना गया है कि आत्महत्या की कोशिश करने वाला व्यक्ति गंभीर तनाव से जूझ रहा होता है। इस कानून में ऐसे व्यक्ति को सजा देने के बजाए सरकारों से उन्हें मानसिक स्वास्थ्य सहयोग देने और उनका पुनर्वास करने का अनुरोध किया गया है। हालांकि, मानसिक स्वास्थ्य देखभाल कानून की धारा 115 तकनीकी रूप से धारा 309 को निरस्त नहीं करती है। इसे निरस्त करने के लिए संसदीय संशोधन की आवश्यकता है। इसके बजाय, धारा 115 एक मध्यस्थ है जो धारा 309 को कमजोर करती है। इसका मकसद लता जैसे लोगों और उनके परिवार का उत्पीड़न तथा उन्हें कसूरवार ठहराने की प्रवृति पर अंकुश लगाना है।सरकारों ने भी डॉक्टरों या पुलिस को कोई दिशा निर्देश नहीं दिया है कि मानसिक स्वास्थ्य देखभाल कानून की धारा 115 के लागू होने के बाद से आत्महत्या की कोशिश के मामलों से कैसे निपटा जाए। ऐसा हो सकता है कि किसी ने घरेलू हिंसा या शारीरिक उत्पीड़न के कारण आत्महत्या का प्रयास किया हो या यह हत्या का प्रयास हो जिसे आत्महत्या का रंग देने की कोशिश की गई हो। अगर पुलिस को उचित मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण दिया जाए तो वे इन परिस्थितियों की जांच अच्छी तरह कर सकती है और आत्महत्या के प्रयास के मामलों को संवेदनशीलता से संभाल सकती है ताकि पीड़ित को किसी तरह की मानसिक परेशानी न हो। आत्महत्या के प्रयास को अपराध के दायरे में लाने के कारण खुदकुशी की कोशिश करने वाले कई लोग चिकित्सीय सहायता लेने से कतराते हैं। यह खासतौर से जरूरी है क्योंकि अनुसंधान से पता चलता है आत्महत्या की कोशिश करने वाले लोगों में पहले प्रयास के बाद छह महीने में दूसरी बार खुदकुशी की कोशिश करने का खतरा अधिक रहता है। अगर लोग समय पर मदद लेते है, तो उन्हें न केवल जरूरी चिकित्सीय देखभाल मिलेगी बल्कि उन्हें काउंसिलिंग और मानसिक स्वास्थ्य सहयोग भी मिल सकता है। राष्ट्रमंडल देशों में भारत इकलौता नहीं है जहां अब भी आत्महत्या विरोधी कानून है। ब्रिटेन में 1961 में ही आत्महत्या को अपराध के दायरे से बाहर कर दिया गया था। कानून में बदलाव के बाद ब्रिटेन में आत्महत्या के मामले नहीं बढ़े। हाल में श्रीलंका में 1996 में आत्महत्या को अपराध बनाने वाले कानूनों को निरस्त करने के बाद वहां आत्महत्या की दर कम हुई है।

सीबीआई ने 24 घंटे के भीतर अभिषेक को भेजा एक और लेटर

नई दिल्ली। सीबीआई ने अभिषेक बनर्जी को एक और पत्र भेजा। हालांकि इस बार उन्होंने पिछली 'गलती' सुधार ली है। सीबीआई ने टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट के अगले आदेश तक एजेंसी के सामने पेश होने के आदेश पर रोक लगाने के लिए एक नया नोटिस दिया है। टीएमसी की तरफ से अभिषेक ने परेशान करने के अलावा सीबीआई के खिलाफ कोर्ट की अवमानना का भी आरोप लगाया था। तृणमूल के अखिल भारतीय महासचिव ने सोमवार शाम ट्विटर पर शिकायत की कि सुप्रीम कोर्ट के स्टे ऑर्डर के बावजूद उन्हें सीबीआई का नोटिस भेजा गया है। सीबीआई ने 24 घंटे के भीतर अभिषेक को एक पत्र भेजा। पत्र में कहा गया है कि सीबीआई ने अभिषेक को पेश होने के लिए जो नोटिस भेजा था, उसे फिलहाल रोक दिया गया है। टीएमसी नेता की याचिका की त्वरित सुनवाई की अर्जी पर विचार करते हुए चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि याचिका को 24 अप्रैल, 2023 को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए।

महाराष्ट्र के पुरस्कार समारोह में मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हुई

नवी मुंबई में 'महाराष्ट्र भूषण' पुरस्कार समारोह में लू लगने के बाद इलाज करा रहे 55 वर्षीय एक और व्यक्ति की मौत के साथ ही प्रचंड गर्मी की चपेट में आकर मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है जबकि आठ मरीजों का उपचार चल रहा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। मृतकों में नौ महिलाएं और चार पुरुष हैं। रविवार को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के खारघर इलाके में खुले मैदान में आयोजित 'महाराष्ट्र भूषण' पुरस्कार समारोह में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सामाजिक कार्यकर्ता अप्पासाहेब धर्माधिकारी को महाराष्ट्र के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया था। कार्यक्रम में जुटे अधिकतर लोग सामाजिक कार्यकर्ता के अनुयायी थे। पनवेल निगम आयुक्त (पीएमसी) गणेश देशमुख ने कहा, "सभी शवों की पहचान कर ली गई है और डॉक्टरों द्वारा पोस्टमार्टम किया गया है। शवों को अंतिम संस्कार के लिए उनके रिश्तेदारों को सौंप दिया गया है।"

पीएमसी के उपायुक्त विठ्ठल डाके के अनुसार नवी मुंबई के कमोठे के एमजीएम अस्पताल में आठ मरीजों का इलाज जारी है जबकि 16 अन्य को छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने कहा, 'उपचाराधीन आठ मरीजों की हालत स्थिर है।' मृतकों की पहचान महेश नारायण गायकर (42), जयश्री जगन्नाथ पाटिल (54), मंजूषा कृष्ण बोमडे (51), स्वप्निल सदाशिव केनी (30), तुलसीराम भाऊ वांगड (58), कलावती सिद्धराम व्याचल (46), भीम कृष्ण साल्वी (58), सविता संजय पवार (42), पुष्पा मदन गायकर (64), वंदना जगन्नाथ पाटिल (62), मीनाक्षी मोहन मिस्त्री, गुलाब बबन पाटिल (55) और विनायक हलदनकर (55) के तौर पर हुई है।

नवी मुंबई पुलिस की एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि कार्यक्रम के दौरान जब महिलाएं और बच्चे पीने के

पानी की तलाश में थे, तो खारघर के एक वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अपनी टीम के साथ उनके लिए पानी ले गए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि तीन दिन से पुलिस कर्मियों को कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास तैनात किया गया था और वे चिलचिलाती धूप के बावजूद कार्यक्रम के बाद भी वहीं डटे रहे। नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त मिलिंद भारंबे कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मैदान में थे। विज्ञप्ति में कहा गया है, "कोई भगदड़ नहीं हुई।"

विज्ञप्ति में कहा गया है कि अत्यधिक गर्मी के कारण कई महिलाएं बेहोश हो गईं और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए भीड़ के बीच मोटरसाइकिल पर बिठाकर चिकित्सा सहायता केंद्रों तक पहुंचाया और उनकी जान बचाई। खारघर में 306 एकड़ में फैले मैदान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग आए थे। घटनास्थल के सबसे नजदीकी मौसम विज्ञान केंद्र ने अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया था।

महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने इस बात की जांच की मांग की है कि नवी मुंबई में दोपहर के समय जब तापमान बहुत अधिक होता है तो 'महाराष्ट्र भूषण' पुरस्कार समारोह का आयोजन कैसे किया गया। धर्माधिकारी के पौधारोपण अभियान, रक्तदान और चिकित्सा शिविरों के साथ-साथ आदिवासी क्षेत्रों में नशामुक्ति कार्यों के कारण राज्य में बड़े पैमाने पर अनुयायी हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मौतों को "बहुत दुर्भाग्यपूर्ण" करार दिया था और कहा था कि मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

शाइस्ता की तलाश में चकिया पहुंची पुलिस, घर खुला छोड़कर भागे मायके वाले, सरेंडर की अटकलें हुईं तेज

प्रयागराज। अतीक और अशरफ की हत्या के बाद 50 हजार रुपए की इनामी शाइस्ता परवीन की तलाश में पुलिस की कई टीम सोमवार रात से छापामारी कर रही हैं। प्रयागराज और कौशांबी में तमाम स्थानों पर छापेमारी की गई है। शाइस्ता की तलाश में करीबियों और रिश्तेदारों के घर पर पुलिस ने घुसकर भी खोजबीन की जा रही है। चकिया में शाइस्ता के मायके में भी छापा मारा गया, जिसके बाद मायके वाले घर छोड़कर भाग गए। फिलहाल शाइस्ता के मायका वाला घर खुला हुआ पड़ा है। इसी बीच शाइस्ता के प्रयागराज कोर्ट में सरेंडर की कयासों ने जोर पकड़ लिया है। जिला कचहरी में पुलिस फोर्स और क्राइम ब्रांच के जवान सक्रिय हो गए हैं। पुलिस ने पूरे परिसर की घेराबंदी कर रखी है। अतीक अहमद के वकीलों की भी निगरानी एसओजी द्वारा की जा रही है।

भाई ने भाई की जमीन का कर दिया बैनामा एसडीएम से हुई शिकायत

प्रतापगढ़। विकासखण्ड लालगंज क्षेत्र के एक गांव में भाई ने अपने सगे भाई के हिस्से की जमीन को भी अपना बताकर उसका बैनामा करा दिया। लालगंज ब्लाक अर्न्तगत रायपुर तियांई निवासी रामचरन ने एसडीएम को भेजे गये शिकायती प्रार्थना पत्र मे कहा है कि उसने अपने भाई श्यामलाल के साथ मिलकर बराबर की हिस्सेदारी में कुल बारह बिस्वा की जमीन का बैनामा लिया था। पीड़ित का आरोप है कि उसके भाई श्यामलाल ने अभिलेखों मे हेरफेर करते हुए धोखाधडी से अपने खुद की जमीन के साथ ही उसकी तीन बिस्वा जमीन का भी बैनामा अर्जुन जायसवाल के नाम कर दिया। पीडित की शिकायत पर एसडीएम ने जांच के निर्देश दिये। राजस्व टीम द्वारा की गयी जांच में पीड़ित की शिकायत सही पायी गयी। एसडीएम उदयभान सिंह का कहना है कि मामले मे दोषियों के खिलाफ उचित कडी कार्रवाई की जाएगी।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के छात्रों हेतु छात्रवृत्ति पोर्टल को खोले जाने के सम्बन्ध में संशोधित समय सारिणी जारी

आधुनिक समाचार सेवा
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में अनुसूचित जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत लम्बित आवेदन पत्रों के निस्तारण हेतु पुनः छात्रवृत्ति पोर्टल को खोले जाने के सम्बन्ध में संशोधित समय-सारिणी जारी की गयी है।

इसमें शिक्षण संस्थान/विश्वविद्यालय स्तर पर छात्रों के छात्रवृत्ति आवेदन पत्र अग्रसारित न होने, विश्वविद्यालय/एफिलियेटिंग एजेन्सी द्वारा छात्रों/संस्थाओं की प्रमाणिकता को सत्यापित न किये जाने आदि कारणों से छात्रों की छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति से सम्बन्धित डाटा पर कोई कार्यवाही नही की जा सकी। ऐसी स्थिति में भारत सरकार के निर्देश के क्रम में वित्तीय वर्ष 2023-24 में अनुसूचित जाति के साथ-साथ अनुसूचित जनजाति छात्रों हेतु पोर्टल खोले जाने हेतु समय सारिणी जारी की गयी है।

उन्होने बताया है कि 17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक शिक्षण संस्थान आनलाइन आवेदन प्राप्त करना, अपात्र छात्रों का आवेदन निरस्त करना तथा पात्र छात्रों का आवेदन आनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जायेगा। दिनांक 20 अप्रैल से 01 मई तक जिला विद्यालय निरीक्षक (कक्षा 11-12 हेतु) एवं सम्बन्धित विश्वविद्यालय एवं एफिलियेटिंग एजेन्सी द्वारा संस्था की मान्यता, पाठ्यक्रम का वर्ष एवं अध्ययनरत वर्गवार वास्तविक छात्र संख्या की प्रमाणिकता को डिजिटल हस्ताक्षर से आनलाईन सत्यापित करना, अपात्र छात्रों, पाठ्यक्रमों, संस्थाओं को ब्लाक करना, दिनांक 20 मई से 02 मई तक पीएफएमएस साफ्टवेयर से सत्यापनोपरान्त डाटा वापस प्राप्त किया जाना एवं एनआईसी की राज्य इकाई में निर्धारित विभिन्न बिन्दुओं पर परीक्षण किया जायेगा।

दिनांक 03 मई से 10 मई तक सन्देहास्पद डाटा को कारणों सहित छात्र/संस्थाओं के लागिन पर प्रदर्शित किया जाना एवं आनलाइन आवेदन में की गयी त्रुटियों को छात्र द्वारा आनलाइन ठीक करके संस्था में जमा करने हेतु प्रिन्ट निकाला जायेगा। दिनांक 03 मई से 13 मई तक छात्र/छात्राओं द्वारा आनलाईन आवेदन पत्र की हार्डकापी समस्त वांछित संलग्नकों सहित शिक्षण संस्था में जमा किया जाना तथा छात्र द्वारा जमा किये गये आनलाइन आवेदन पत्रों को विद्यालय द्वारा संलग्न अभिलेखों से मिलान करके आनलाईन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जायेगा। दिनांक 15 मई से 24 मई तक छात्र द्वारा सही किये गये सन्देहास्पद डाटा को एनआईसी की राज्य इकाई में विभिन्न बिन्दुओं पर पुनः परीक्षण किया जायेगा।

प्रयागराज, मथुरा, आगरा, कानपुर सबसे गर्म

प्रयागराज। गर्मी का प्रकोप प्रयागराज पर सबसे ज्यादा देखा गया। प्रयागराज का तापमान 44 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। इसके बाद झांसी और मथुरा का तापमान 43 डिग्री के पार रहा। फिलहाल अब गर्मी से कोई राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग ने 18 और 19 अप्रैल को आंधी-पानी का येलो अलर्ट जारी किया है। यूपी में गर्मी का प्रकोप दिखने लगा है। पारा 42 डिग्री के पार पहुंच

गया है। दिन के साथ-साथ रातें भी गर्म होने लगी हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक आज इस सीजन की पहली हीटवेव चलने की आशंका है। मंगलवार सुबह से ही गर्मी का असर दिखने लगा है। वहीं सोमवार को कानपुर में लू के थपेड़ों ने लोगों को परेशान कर दिया। अप्रैल के पहले 15 दिन राहत भरे रहे। बीते तीन दिन में 4.6 डिग्री की वृद्धि हुई है। सोमवार को तापमान रिकॉर्ड 42 डिग्री रहा जो सामान्य 3.6 अधिक है।

जनपद में लू से बचाव हेतु अपर जिलाधिकारी ने एडवाइजरी जारी की

आधुनिक समाचार सेवा
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया कि भारतीय मौसम विभाग के अनुसार जब किसी जगह का स्थानीय तापमान लगातार तीन दिनों तक वहॉ के सामान्य तापमान से 03 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक रहे तो उसे लू या हीट वेव कहते है। जब वातावरणीय तापमान 37 डिग्री0 सेल्सियस तक रहता है तो मानव शरीर पर उसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है पर जैसे ही तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बढ़ता है तो हमारा शरीर वातावरणीय गर्मी को शोषित कर शरीर के तापमान को प्रभावित करने लगता है।

गर्मी में सबसे बड़ी समस्या होती है लू लगना। गर्मी में उच्च तापमान में ज्यादा देर तक रहने से या गर्म हवा के झोकों के सम्पर्क में आने पर लू लगती है। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) ने लू (हीट वेव) से बचने के उपाय के सम्बन्ध में बताया है कि अधिक से अधिक पानी पियें, यदि प्यास न लगा हो तो भी पानी पिये ताकि शरीर में पानी की कमी से होने वाली बीमारियों से बचा जा सके। हल्के रंग के पसीना शोषित करने वाले हल्के वस्त्र पहनें। धूप में गमछे, चश्मे, छाता, टोपी व पैरों में चप्पल का उपयोग अवश्य करें,अगर आप खुले में कार्य करते है तो सिर, चेहरा, हाथ-पैरों को गीले कपड़े से ढके रहे तथा छाते का प्रयोग करें। लू से प्रभावित व्यक्ति को छाये में लिटाकर सूती गीले कपड़े से पोछे अथवा नहलायें तथा चिकित्सक से सम्पर्क करें। शराब, चाय, काफी जैसे पेय पदार्थो का इस्तमाल न करें, यह शरीर को निर्जलित कर सकते हैं। ओ0आर0एस0 घोल घर में बने हुये पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी (माड़), नीबू पानी, छाछ, कच्चे आम से बना पन्ना आदि का उपयोग करें जिससे कि शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके। अगर आपकी तबियत ठीक न लगे तो गर्मी से उत्पन्न होने वाले विकारों, बीमारियों को पहचाने और किसी भी प्रकार की तकलीफ होने पर तुरन्त चिकित्सकीय परामर्श लें। अपने घरों को ठण्डा रखें, पर्दे, दरवाजे आदि का उपयोग करें तथा शाम/रात के समय घर तथा कमरों को ठण्डा करने हेतु इसे खोल कर रखें। पंखे, गीले कपड़ों का उपयोग करें तथा बारम्बार आवश्यकतानुसार स्नान करें। कार्य स्थल पर ठण्डे पीने का पानी रखें और उसका नियमित उपयोग करते रहें। घर से बाहर होने की स्थिति में आराम करने की समयावधि तथा आवृत्ति को बढ़ायें। गर्भवती महिला कर्मियों तथा रोगग्रस्त कर्मियों पर अतिरिक्त एवं विशेष ध्यान रखें। उन्होंने यह भी बताया कि धूप में खड़े वाहनों में बच्चे एवं पालतू जानवरों को धूप में न छोड़े, कड़ी धूप (खासकर दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक) के बीच सूर्य की रोशनी में जाने से बचें। आपात स्थिति में निपटने के लिये प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। गहरे रंग के भारी एवं तंग वस्त्र न पहने इससे बचें। जब गर्मी का तापमान ज्यादा हो तो श्रमसाध्य कार्य न करें। नशीले पदार्थ, शराब/अल्कोहल के सेवन से बचें। उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से बचे, बासी भोजन न करें। उन्होने लू के लक्षण के सम्बन्ध में बताया है कि गर्म, लाल शुष्क त्वचा का होना, पसीना न आना, तेज पल्स होना, उल्टे श्वास गति में तेजी, व्यवहार में परिवर्तन, भ्रम की स्थिति, सिरदर्द, मिचली, थकान और कमजोरी का होना या चक्कर आना, मूत्र न होना अथवा इसमें कमी। उन्होंने बताया कि लक्षण के चलते मनुष्यों के शरीर में उच्च तापमान से शरीर के आंतरिक अंगों,विशेष रूप से मस्तिष्क को नुकसान पहुँचाता है तथा इससे शरीर में उच्च रक्तचाप उत्पन्न हो जाता हैं।मनुष्य के हृदय के कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न होता है।जो लोग एक या दो घंटे से अधिक समय तक 40.6 डिग्री सेल्सियस से 105 डिग्री एफ0 या अधिक तापमान अथवा गर्म हवा में रहते है तो उनके मस्तिष्क में क्षति होने की सम्भावना प्रबल हो जाती है। लू कब लगती है के सम्बन्ध में बताया है कि गर्मी में शरीर के द्रव्य बॉडी फल्यूड सूखने लगते है, शरीर में पानी, नमक की कमी होने पर लू लगने का खतरा ज्यादा रहता है। विभिन्न स्थितियों में लू लगने की सम्भावना अधिक रहती है जैसे शराब की लत, हृदय रोग, पुरानी बीमारी, मोटापा, पार्किंसंस रोग, अधिक उम्र, अनियंत्रित मधुमेह, ऐसी कुछ औषधियाँ जैसे डाययूरेटिक, एंटीस्टिमिनिक,मानसिक रोग की कुछ औषधियाँ हैं।

छात्राओं व शिक्षिकाओं ने अर्पित की डा. वीरेन्द्र को श्रद्धांजलि

प्रतापगढ़।लालगंज नगर स्थित कमला नेहरू बालिका इण्टर कालेज में मंगलवार को छात्राओं एवं शिक्षिकाओ की शोकसभा में डा. वीरेन्द्र मिश्र के निधन पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डा. वीरेन्द्र मिश्र के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण कर किया गया।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्या शोभा श्रीवास्तव ने कहा कि डा. वीरेन्द्र मिश्र द्वारा लालगंज क्षेत्र में बालिकाओं की शिक्षा के लिए विद्यालय के उत्तरोत्तर प्रगति मे दिया गया योगदान सदैव प्रेरणास्पद रहेगा। पूर्व मंत्री प्रो. शिवाकांत ओझा की पत्नी माधुरी ओझा ने डा. वीरेन्द्र मिश्र के सामाजिक एवं शैक्षिक योगदान को बहुमूल्य ठहराया। पूर्व प्रधानाचार्या नीलम ओझा ने डा. वीरेन्द्र के द्वारा बालिका विद्यालय के शैक्षिक परिवेश को सुदृढ़ बनाने मे निभाई गई भूमिका को नारी सशक्तीकरण के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। कार्यक्रम का संचालन अंजू पाण्डेय ने किया। संयोजन घनश्याम मौर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल, निमिषा ओझा, राजमती त्रिपाठी, ऊषारानी शुक्ला, सीमा त्रिपाठी, सलमा खातून, अमृता तिवारी, श्वेता शुक्ला, कुसुमलता यादव ने भी डा. वीरेन्द्र के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर राघवेन्द्र त्रिपाठी, कीर्ति कुमार पाण्डेय, आकाश सोनी, पवन तिवारी, राहुल तिवारी, कृष्ण कुमार यादव, विनोद यादव, संजय तिवारी, राकेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

उपजिलाधिकारी नगरीय निकाय निर्वाचन में प्रचार प्रसार, मतदान एवं मतगणना दिवसों में वाहन पास करेगें जारी

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया है कि नगरीय निकायों के निर्वाचन में प्रत्याशियों द्वारा चुनाव प्रचार प्रसार एवं मतदान दिवसों तथा मतगणना के दिवसों में वाहनों का उपयोग जिला प्रशासन की अनुमति के बिना नहीं किया जायेगा। प्रचार प्रसार दिवसों में प्रचार प्रसार हेतु तथा मतदान दिवसों एवं मतगणना दिवसों में वाहन पास निर्धारित प्रारूप पर निर्गत किये जायेगें। इस कार्य हेतु रिटर्निंग आफिसर से प्रार्थना पत्र अग्रसारित कराकर (प्रार्थना पत्र के साथ वाहन का प्रकार, रजिस्ट्रेशन के कागजात, चालक का नाम, नगरीय निकाय का नाम, प्रत्याशी का नाम, गाड़ी संख्या तथा प्रत्याशियों के राजनैतिक दलों से सम्बद्धता/निर्दलीय का विवरण देना होगा)। अग्रसारित प्रार्थना पत्रों के आधार पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नामित सम्बन्धित उपजिलाधिकारी द्वारा प्रत्याशियों को वाहन पास जारी किया जायेगा। जारी किये गये वाहन पास को मूल रूप में वाहन पर चस्पा कर प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। प्रत्याशियों द्वारा वाहन पास मूल रूप से वाहन के आगे शीशे पर चिपकाया जायेगा। वाहन पास जारी करने वाले अधिकारी द्वारा प्रतिदिन जारी किये गये वाहन पास की एक छायाप्रति (सूची सहित) पुलिस अधीक्षक के यहां भेजी जायेगी तथा पुलिस अधिकारियों द्वारा सम्बन्धित नगरीय निकाय के थाने में प्रतिदिन वाहन पास की सूचना भेजी जायेगी। यदि बिना वाहन पास के प्रत्याशियों द्वारा वाहन उपयोग किया जाता है तो जो भी वाहन पकड़े जायेगें जब्त कर लिये जायेगें। अनुमति प्राप्त वाहनों के सम्बन्ध में निर्वाचन में प्रत्याशियों या उनके समर्थकों द्वारा मोटरयान अधिनियम (एम0वी0 ऐक्ट) का उल्लंघन न हो। निर्वाचन अवधि में प्रचार प्रसार हेतु अनुमति प्राप्त वाहनों को छोड़कर किसी भी प्रत्याशी के झण्डे एवं स्टीकर अन्य वाहनों पर नहीं लगाये जायेगें। केवल प्रचार प्रसार हेतु अनुमति प्राप्त वाहन पर ही झण्डे एवं स्टीकर लगाये जा सकते है। निर्वाचन अवधि में प्रत्याशियों द्वारा प्रचार प्रसार हेतु नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार हेतु 03, नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार हेतु 02, नगर पालिका परिषद के सदस्य पद के उम्मीदवार हेतु 01 तथा नगर पंचायत के सदस्य पद के उम्मीदवार हेतु 01 वाहन (दो पहिया वाहन सहित समस्त मैकनाइज्ड/मोटोराइज्ड वाहन) का संचालन निर्वाचन के प्रचार प्रसार के लिये करा सकते है। मतदान दिवस पर नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों में अध्यक्ष पद हेतु 01 वाहन अनुमन्य होगा एवं नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत के सदस्य पद हेतु कोई वाहन अनुमन्य नहीं होगा। मतगणना के दिन नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत अध्यक्ष पद हेतु 01 वाहन की अनुमति दी जायेगी। नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत के सदस्य को मतगणना के दिन वाहन की अनुमति नहीं दी जायेगी।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की शिकायतें सुनी गयी तथा निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

अतीक-अशरफ हत्याकांड की एसआईटी ने शुरू की जांच

जल्द आ सकते हैं न्यायिक आयोग के सदस्य तीनों हत्यारों से हो सकती है पूछताछ

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। अतीक-अशरफ केस में मंगलवार को एसआईटी ने जांच शुरू कर दी है। एसआईटी ने पुलिस से एफआईआर की कॉपी ली है। इसके बाद गवाहों के बयान दर्ज करेगी। सोमवार को दो एसआईटी गठित की गई थी। पहली टीम को एडीजी प्रयागराज भानु भास्कर लीड कर रहे हैं, जबकि दूसरी को में अपर पुलिस उपायुक्त क्राइम सतीश चंद्र हेड कर रहे हैं।

इसके साथ ही न्यायिक आयोग का भी गठन किया गया है। प्रयागराज पुलिस कोर्ट से लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्य की रिमांड मांगने की तैयारी भी कर रही है। फिलहाल सोमवार को पुलिस कस्टडी रिमांड के लिए कोई अर्जी कोर्ट में नहीं दाखिल की गयी थी। वहीं प्रयागराज नैनी जेल से तीनों आरोपियों को प्रतापगढ़ जेल में सोमवार की दोपहर शिफ्ट कर दिया गया। अतीक व अशरफ

हत्याकांड की जांच के लिए न्यायिक आयोग का भी गठन किया गया है।

कहा जा रहा है कि जल्द ही न्यायिक आयोग के सदस्य शहर आ सकते हैं। हालांकि इस बारे में भी कोई ऑफिशियल जानकारी पुलिस की तरफ से शेयर नहीं की गयी है। सरकार की तरफ से इस टीम को दो महीने का ही मौका दिया गया है, इसी से कयास लगाए जा रहे हैं एक-दो में ही टीम प्रयागराज में जांच शुरू कर सकती है।

दूसरी एसआईटी टीम को पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा ने गठित किया है। इसमें अपर पुलिस उपायुक्त क्राइम सतीश चंद्र, एसीपी सतेंद्र तिवारी और क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर ओम प्रकाश सिंह को शामिल किए गए हैं। यह टीम अतीक-अशरफ की हत्या से पहले उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों की भूमिका और उनकी ओर से उठाए गए कदमों की छानबीन करेगी।

विघटनकारी नवाचारों के युग में संचालन प्रबंधन विषय पर संगोष्ठी

देव मणि शुक्ल

नोएडा (संवाददाता)। स्थित जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च में पीजीडीएम विभाग के छात्रों के लिए 'विघटनकारी नवाचारों के युग में संचालन प्रबंधन' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स लिमिटेड के सीएमडी रमेश अग्रवाल ने संगोष्ठी के मुख्य अतिथि और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के उप-महाप्रबंधक डॉ0 मनोज उनियाल ने विशिष्ट अथिति के रूप में भाग लिया। संगोष्ठी की शुरुआत दीप प्रज्वलन और पीजीडीएम विभाग की निदेशक डॉ0 सपना राकेश के उद्घाटन अभिभाषण के साथ हुई। डॉ0 सपना राकेश ने अथिति को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। डॉ0 सपना राकेश ने छात्रों को संबोधित करते हुए संचालन के क्षेत्र में नवाचार के महत्व पर जोर दिया और उन्होंने अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स लिमिटेड में रमेश अग्रवाल की सफल यात्रा और अनुभव पर भी प्रकाश डाला। रमेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स लिमिटेड की एक छोटी कंपनी से लेकर

परिवहन और रसद उद्योग में क्रांति लाने तक के सफर के बारें में बताया। उन्होंने बताया की कंपनी कैसे पूरे भारत के 100 से अधिक शहरों और 182 से अधिक देशों में एक अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के रूप में कार्य कर रही है। उन्होंने भारत में लॉजिस्टिक्स उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों और विकास स्थिरता को चलाने में नवाचार के महत्व के बारे में बात की और साथ ही साथ भारत में लॉजिस्टिक्स उद्योग के भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण को भी साझा किया जिसमें विकास की संभावना और नवाचार के अवसरों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने भारतीय उद्योग के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए नई तकनीकों को अपनाने और स्थायी प्रथाओं को लागू करने के महत्व पर भी बल दिया। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के उप-महाप्रबंधक डॉ0 मनोज उनियाल ने भारतीय विमानन उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) देश में एक विश्व स्तरीय विमानन बुनियादी ढांचा बनाने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ0 उनियाल ने विमानन क्षेत्र में नवाचार और प्रौद्योगिकी के महत्व के बारे में विस्तार से चर्चा की और बताया कि कैसे एएआई हवाई अड्डे के संचालन की दक्षता और सुरक्षा में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी की शक्ति का उपयोग कर रहा है। उन्होंने विमानन उद्योग में स्थिरता की भूमिका को समझते हुए बताया कि एएआई अपने हवाई अड्डों में पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को कैसे लागू कर रहा है। संगोष्ठी के दूसरे सत्र में प्रश्नोत्तर सत्र हुआ जिसमें डॉ0 उनियाल और रमेश अग्रवाल ने हवाई अड्डे की सुरक्षा, हवाई यात्रियों के अधिकार और उद्योग शुरू करने की प्रेरणा सहित कई विषयों पर छात्रों के सवालों के जवाब दिए। अंत में सभी अथितियों एवं डॉ0 सपना राकेश ने प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। इस दौरान विभाग के सभी अध्यापक मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु समस्त तहसीलदार के साथ आहूत की गयी प्री-ट्रॉयल बैठक, दिये गये आवश्यक निर्देश

देवरिया। को माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया के तत्वावधान में माननीय जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया श्री जे0पी यादव के आदेशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु समस्त तहसीलदार के साथ जनपद न्यायालय में प्री-ट्रॉयल बैठक आहूत की गयी। राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी/ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार सिंह ने सभी तहसीलदार को निर्देशित किया कि आप अपने

विभागों से अभी से मामलों को चिन्हित करें ताकि लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में वादों का निस्तारण किया जा सकें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/अपर जिला एंव सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार दूबे ने समस्त तहसीलदार को निर्देशित किया कि आप अपने स्तर से राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार में सहयोग करें तथा ग्रामीण स्तर पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित कर आमजनमानस जागरूक करें। उन्होंने कहा कि शासन के दिए गए दिशा निर्देशों के अनुसार भीड-भाड़ वाले जगहों पर बैनर, पम्पलेट तथा मोबाईल वैन के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा समाचार पत्रों के माध्यम से आमजनमानस को जागरूक करे। न्यायाधीश द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु समस्त संबंधित अधिकारियों को एक साथ आगे आने का आह्वान किया।

सीडीओ ने की ग्रामीण अभियंत्रण विभाग व लोक निर्माण विभाग

देवरिया। मुख्य विकास अधिकारी रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग व लोक निर्माण विभाग द्वारा कराये जा रहे सड़क निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा हुई। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की समीक्षा में पूर्वांचल विकास निधि जिलांश के अन्तर्गत ग्राम सभा - देसही देवरिया में मुख्य मार्ग से विनोद सिंह के घर तक आर0सी0सी0 निर्माण व ग्राम सभा-खजुरिया में सलाउद्दीन के घर से विशुनदेव के बगीचे तक सी0सी0 निर्माण की खराब प्रगति के सम्बन्ध में अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये । त्वरित आर्थिक विकास योजनान्तर्गत स्वीकृत विकास खण्ड-गौरीबाजार में ग्राम सांडा पंचायत भवन होते हुये सरनी मजरे तक सड़क का निर्माण 30 अप्रैल तक पूर्ण कराने के निर्देश अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को दिये गये। त्वरित आर्थिक विकास योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में माह मार्च, 2023 में स्वीकृत कार्यों को टाइमलाइन के अनुसार अनुबंध आदि गठित कराते हुये सड़कों का निर्माण प्रारम्भ कराने के निर्देश दिये अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को दिये गये।

कान्य कुंज भोजवाल समाज मिर्जापुर की जिला बैठक संपन्न

मिर्जापुर। कान्य कुंज भोजवाल समाज मिर्जापुर की जिला बैठक लालडिग्गी सुशील भोजवाल के मकान पर हुआ। इसमें संगठन के बारे में चर्चा हुई। समाज के लोगों ने बैठक में उपस्थित लोगों को समाज के प्रति दायित्व सामाजिक चेतना और समाज के छात्र छात्राओं के लिए विशेष सुविधा दिए जाने पर भी चर्चा किया । वक्ताओं ने कहा कि आज के परिवेश में समाज को शिक्षित होने के साथ-साथ राजनीतिक क्षेत्र में भी अपनी मजबूत स्थिति बनानी है। समाज को जागरूक करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जनपद मिर्जापुर में प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर समाज के लोगों को संगठित होना चाहिए और समाज के प्रत्येक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा भी लेना चाहिए। कार्यक्रम में सर्व वैश्य पर भी चर्चा हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सेजिला अध्यक्ष कृष्णा झोजवाल, महामंत्री संजय भोजवाल, कोषाध्यक्ष विनोद भोजवाल, संरक्षक ब्रम्हदेव भोजवाल, मोतीलाल भोजवाल, सुरेश भोजवाल सक्रिय भूमिका रही ।

पांच माह के एकीकृत निक्षय दिवसों पर खोजे गये 59 नये टीबी मरीज

देव मणि शुक्ल

नोएडा। जनपद में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जागरूकता फैलाने और टीबी मरीजों को खोजने के लिए चलाए जा रहे विशेष कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। जनपद में अब तक मनाये गये पांच निक्षय दिवसों पर टीबी के 59 नए रोगी मिले हैं। सभी का उपचार चल रहा है। गौरतलब है कि जनपद में हर महीने की 15 तारीख को एकीकृत निक्षय दिवस मनाया जाता है। 15 अप्रैल को एकीकृत निक्षय दिवस पर 136 मरीजों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए। जांच में आठ लोगों में टीबी की पुष्टि हुई।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ शिरीष जैन ने बताया- क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत विभाग लगातार जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। विभाग की कोशिश है कि वर्ष 2025 तक जनपद को टीबी मुक्त बनाया जाए। उन्होंने बताया- शासन के निर्देश पर हर महीने की 15 तारीख को एकीकृत निक्षय दिवस मनाया जाता है। इस दिवस पर जनपद के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर ओपीडी में आने वाले दस प्रतिशत मरीजों की लक्षणों के आधार पर टीबी की स्क्रीनिंग की जाती है। अब तक पांच एकीकृत निक्षय दिवसों का आयोजन किया जा चुका है। इसमें अब तक 870 संभावित मरीज मिल चुके हैं, जिनमें टीबी जैसे लक्षण थे। प्रारंभिक जांच के बाद इनमें से 828 मरीजों की जांच की गयी, जिसमें 59 मरीजों में टीबी की पुष्टि हुई। इन सभी का तत्काल उपचार शुरू कर दिया गया है।

जिला समन्वयक अंबुज पांडेय ने बताया- जनपद में अब तक पांच एकीकृत निक्षय दिवस मनाए जा चुके हैं। पहला निक्षय दिवस 15 दिसम्बर को मनाया गया था, जिसमें मिले 202 संभावित मरीजों में से 191 के बलगम की जांच करायी गयी। जांच में 18 मरीजों में टीबी की पुष्टि हुई। दूसरा एकीकृत निक्षय दिवस 16 जनवरी को मनाया गया, उस दिन 203 लोगों में टीबी से मिलते जुलते लक्षण पाये गये। इनमें से 182 लोगों के बलगम व अन्य जांच कराने पर 10 रोगी सामने आये। 15 फरवरी को आयोजित एकीकृत निक्षय दिवस पर 178 संभावितो में से 170 की जांच करायी गयी, जिसमें टीबी के 11 नये मरीज मिले। इसी तरह 15 मार्च को 148 संभावितों में से 147 की जांच करायी गयी, जिसमें 12 नये मरीज मिले। 15 अप्रैल को 136 लोगों की जांच में आठ नये मरीज मिले। इस तरह अब तक मनाये गये एकीकृत निक्षय दिवसों पर 59 नये टीबी के मरीज मिल चुके हैं।

जिला क्षय रोग अधिकारी का कहना है कि क्षय उन्मूलन के लिए सबसे जरूरी है टीबी मरीजों की शीघ्र पहचान होना, जितनी जल्दी पहचान, उतनी जल्दी उपचार और उतनी ही जल्दी टीबी संक्रमण का फैलना बंद। क्षय रोग इकाई का पूरा फोकस है कि टीबी मरीजों की जल्दी से जल्दी पहचान हो। उन्होंने बताया - पल्मोनरी (फेफड़ों की) टीबी मरीज के खांसने और छींकने से निकलने वाली बूंदों के सम्पर्क में आने से फैलती है। उपचार शुरू होने के बाद संक्रमण फैलने की आशंका कम हो जाती है।

हर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर है बलगम कलेक्शन की सुविधाः जिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया - 17 सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों सहित जनपद के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर बलगम कलेक्शन की सुविधा है। इसके अलावा ग्रामीण इलाकों में क्षेत्रीय आशा कार्यकर्ता और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) की मदद से टीबी जांच करायी जा सकती है।

सीधे प्रवेश

100% Placement

15% Fee Concession

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर

❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकैनिक

फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiti.com | Mail us at – info@nainiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0

8081180306 , 9415608710 , 8103021873

⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

तीन दिन में करेगी लिवर की सफाई, किशमिश से बनाएं हेल्दी ड्रिंक

लिवर शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है जो रक्त को शुद्ध करने और भोजन को पचाने में मदद करता है। इससे बने बाइल जूस से खाना पचाने में मदद मिलती है। लेकिन हमारी बुरी आदतों जैसे ज्यादा तले भुने खाना, एक्सरसाइज न करना, जरूरत से ज्यादा धूम्रपान करना और शराब पीना जैसी बुरी लत का लिवर पर बहुत असर पड़ता है। अधिक दबाव पड़ने पर लिवर सही तरीके से विषाक्त पदार्थों को बाहर नहीं निकाल पाता। शरीर से विषाक्त पदार्थ या गंदगी बाहर निकालने के लिए आप एक खास ड्रिंक की मदद ले सकते हैं। ये ड्रिंक बनती है किशमिश से और इसे पीने से सिर्फ 3 दिन में ही आपके लिवर की सारी गंदगी साफ हो जाती है। इसे बनाना भी बेहद आसान है। आइये आपको बताते हैं किशमिश से लिवर डिटॉक्स करने की ड्रिंक बनाने की विधि।

क्यों फायदेमंद है किशमिश की ये ड्रिंक : किशमिश के पानी में भरपूर विटामिन्स और मिनरल्स होते हैं जो हेल्थ के लिए बेनिफिशियल हैं। किशमिश एनर्जी से भरपूर लो फैट फूड है इसमें काफी मात्रा में आयरन, पोटैशियम, विटामिन और एंटी ऑक्सीडेंटस होते हैं। इसको पानी में भिगोने पर इसके फायदे ओर भी बढ़ जाते हैं। यदि किशमिश के पानी का हम हर सुबह खाली पेट सेवन करे तो हमे कई तरह के फायदे होते है।

ड्रिंक बनाने के लिए सामग्री

2 कप (लगभग 400 मिलीग्राम) पानी
150 ग्राम किशमिश

ड्रिंक कैसे बनाएं

गहरे रंग की 150 ग्राम किशमिश को अच्छी तरह धोकर साफ कर लें।
2 कप पानी को उबालने के लिए रख दें।
जब पानी उबलने लगे, तो इसमें किशमिश डाल दें।
20 मिनट तक उबालने के बाद आंच बंद कर दें।
अब किशमिश को रात भर के लिए इसी पानी में छोड़ दें।
सुबह तक ये ड्रिंक तैयार हो जाता है।

कैसे करें इस ड्रिंक का सेवन

सुबह खाली पेट नाश्ते से आधे घंटे पहले इस पानी को लें और किशमिश को इसमें से छानकर अलग कर लें। अब इस पानी को पी लें और किशमिश को नाश्ते में चबाकर खाएं। केवल 3 दिन के प्रयोग से ही आपके लिवर में मौजूद सभी विषाक्त पदार्थ शरीर से बाहर निकल जाएंगे और आपका लिवर पूरी तरह साफ हो जाएगा।

और भी हैं इस ड्रिंक के फायदे

किशमिश के पानी में मौजूद एंटी ऑक्सीडेंटस बॉडी के सेल्स को हेल्दी बनाकर कैंसर जैसी बीमारियों से बचाते हैं। किशमिश के पानी में अमीनो एसिड होते हैं जो एनर्जी देते हैं। थकान और कमजोरी दूर करने में मददगार हैं। इस पानी में विटामिन्स, बीटा केरोटीन और आंखों के लिए फायदेमंद फायटोन्यूट्रिएंटस होते हैं। इससे नज़र की कमजोरी दूर होती है। किशमिस का पानी मेटाबॉलिज़्म अच्छा करके फैट बर्निंग प्रोसेस को तेज़ करता है। इससे वेट लॉस में मदद मिलती है। किशमिश के पानी में भरपूर कैल्शियम होता है। ये हड्डियों को मजबूत बनाता है। आर्थराइटिस और गठिया से बचाता है। किशमिश में मौजूद सॉल्युबल फाइबर्स पेट की सफाई करके गैस और एसिडिटी से छुटकारा दिलाते हैं। किशमिश के पानी में आयरन, कॉपर और कॉम्प्लेक्स की भरपूर मात्रा होती है। ये खून की कमी दूर करके रेड ब्लड सेल्स को हेल्दी बनाता है।

बच्चों में डिप्रैशन से निबटना है बेहद जरूरी

15 साल की रिया जब भी स्कूल जाती, क्लास में सब से पीछे बैठ कर हमेशा सोती रहती। उस का मन पढ़ाई में नहीं लगता था। वह किसी से न तो ज्यादा बात करती और न ही किसी को अपना दोस्त बनाती। अगर वह कभी सोती नहीं थी, तो किताबों के पन्ने उलट कर एकटक देखती रहती। क्या पढ़ाया जा रहा है, इस से उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हर बार उस की शिकायत उस के मातापिता से की जाती, पर इस का उस पर कोई असर नहीं पड़ता था। वह हमेशा उदास रहा करती थी। इसे देख कर कुछ बच्चे तो उसे चिढ़ाने भी लगते थे, पर वह उस पर भी अधिक ध्यान नहीं देती थी। परेशान हो कर उस की मां ने मनोवैज्ञानिक से सलाह ली। कई प्रकार की दवाएं और थेरैपी लेने के बाद वह ठीक हो पाई। दरअसल, बच्चों में डिप्रैशन एक सामान्य बात है, पर इस का पता लगाना मुश्किल होता है। अधिकतर मातापिता इसे बच्चे का आलसीपन समझते हैं और उन्हें डांटतेपीटते रहते हैं। इस से वे और अधिक क्रोधित हो कर कभी घर छोड़ कर चले जाते हैं या फिर कभी आत्महत्या कर लेते हैं।

बच्चों की समस्या न समझ पाने की 2 खास वजहें हैं। पहली तो हमारे समाज में मानसिक समस्याओं को अधिक महत्त्व नहीं दिया जाता और दूसरे, अभी बच्चा छोटा है, बड़ा होने पर समझदार हो जाएगा, ऐसा कह कर अभिभावक इस समस्या को गहराई से नहीं लेते। मातापिता को लगता है कि यह समस्या सिर्फ वयस्कों को ही हो सकती है, बच्चों को नहीं।

शुरुआती संकेत : जी लर्न की मनोवैज्ञानिक दीपा नारायण चक्रवर्ती कहती हैं कि आजकल के मातापिता बच्चों की मानसिक क्षमता को बिना समझे ही बहुत अधिक अपेक्षा रखने लगते हैं। इस से उन्हें यह भार लगने लगता है और वे पढ़ाई से दूर भागने लगते हैं। अपनी समस्या वे मातापिता से बताने से डरते हैं और उन का बचपन ऐसे ही डरडर कर बीतने लगता है, जो धीरेधीरे तनाव का रूप ले लेता है। मातापिता को बच्चे में आए अचानक बदलाव को नोटिस करने की जरूरत है। कुछ शुरुआती लक्षण निम्न हैं। अगर बच्चा आम दिनों से अधिक चिड़चिड़ा हो रहा हो या बारबार उस का मूड बदल रहा हो। बातबात पर गुस्सा होना या रोना। अपनी किसी हौबी या शौक को फौलो न करना। खानेपीने में कम दिलचस्पी रखना। सामान्य से अधिक समय तक सोना। अलगथलग रहने की कोशिश करना। स्कूल जाने की इच्छा का न होना या स्कूल के किसी काम को न करना आदि। इस बारे में दीपा आगे बताती हैं कि किसी भी मातापिता को बच्चे को डिप्रैशन में देखना आसान नहीं होता और वे इसे मानने को भी तैयार नहीं होते कि उन का बच्चा डिप्रैशन में है। **तनाव से निकालना :** निम्न कुछ बातों से बच्चे को तनाव से निकाला जा सकता है- हमेशा धैर्य रखें, गुस्सा करने पर बच्चा भी रिवोल्ट करेगा और आप उसे कुछ समझा नहीं सकते। बच्चे को कभी यह एहसास न होने दें कि वह बीमार है। यह कोई बीमारी नहीं है, इस का इलाज हो सकता है। हिम्मत से काम लें, बच्चे को डिप्रैशन से निकालने में मातापिता से अच्छा कोई नहीं हो सकता। बच्चे से खुल कर बातचीत करें, तनावग्रस्त बच्चा अधिकतर कम बात करना चाहता है। ऐसे में बात करने से उस के मनोभावों को समझना आसान होता है। उस के मन में कौन सी बात चल रही है, उस का समाधान भी आप कर सकते हैं। हमेशा बच्चे को लोगों से मिलनेजुलने के लिए प्रेरित करें। बातचीत से अगर समस्या नहीं सुलझती है, तो इलाज करवाना जरूरी है। इस के लिए आप खुद उसे मनाएं और ध्यान रखें कि डाक्टर जो भी दवा दे, उसे वह समय पर ले, इस से वह जल्दी डिप्रैशन से निकलने में समर्थ हो जाएगा। **अपना दायित्व समझें :** मातापिता बच्चे के रिजल्ट को ले कर बहुत अधिक परेशान रहते हैं। इस बारे में साइकोलौजिस्ट राशिदा कपाड़िया कहती हैं कि बच्चों में तनाव और अधिक बढ़ जाता है जब उन की बोर्ड की परीक्षा हो। ऐसे में हर मातापिता अपने बच्चे से 90 प्रतिशत अंक की अपेक्षा लिए बैठे रहते हैं और कम नंबर आने पर वे मायूस होते हैं। ऐसे में बच्चा और भी घबरा जाता है। उसे एहसास होता है कि नंबर कम आने पर उसे कहीं ऐडमिशन नहीं मिलेगा, जबकि ऐसा नहीं है, हर बच्चे को अपनी क्षमता के अनुसार दाखिला मिल ही जाता है। कई ऐसे उदाहरण हैं जहां रिजल्ट देखे बिना ही बच्चे परीक्षा में अपनी खराब परफौर्मेंस के बारे में सोच कर आत्महत्या तक कर लेते हैं।

ब्लीच करने के लिए पार्लर क्यों जाना, घर पर ही इन चीजों की मदद से पाएं ब्राइटन स्किन

चेहरे में निखार लाने के लिए हम तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। आमतौर पर स्किन में इंस्टेंट ग्लो पाने के लिए ब्लीच करवाना सबसे अच्छा माना जाता है। लेकिन बाजार में मिलने वाली ब्लीच में कई तरह के केमिकल्स होते हैं और उन केमिकल्स के कारण स्किन में जलन व रिएक्शन होने का खतरा भी रहता है। ऐसे में आप अपनी किचन में मौजूद कुछ चीजों की मदद से ही स्किन को ब्लीच कर सकते हैं और स्किन को नेचुरली ब्राइटन कर सकते हैं- **दही** स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि दही आपकी स्किन के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह ना सिर्फ आपके स्किन कॉम्पलेक्शन में सुधार करता है, बल्कि इससे आपकी स्किन मॉइश्चराइज होती है। इसके इस्तेमाल के लिए आप दही को सीधे ही अपनी स्किन पर अप्लाई करें और 10-15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके अलावा आप बेसन और दही को मिक्स करके एक स्मूद पेस्ट बनाएं और फिर आप उससे हल्का स्क्रब करें। **बेसन** बेसन सबसे अच्छे प्राकृतिक उत्पादों में से एक है जिसका उपयोग आप अपने चेहरे की त्वचा की चमक को बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। बस आप पानी और बेसन को मिक्स करके अपने चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। आखिरी में ठंडे पानी से स्किन को क्लीन कर दें। **नींबू** नींबू एक नेचुरल ब्लीचिंग प्रॉडक्ट माना जाता है, जिसकी मदद से आपके चेहरे पर गजब का निखार आ सकता है। बस आप नींबू को निचोड़ लें और एक कॉटन बॉल की मदद से अपने चेहरे पर लगाएं और कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके अलावा अगर आप चाहें तो नींबू में गुलाब जल मिलाकर उसे भी स्किन पर अप्लाई कर सकते हैं। अगर आप इसे स्क्रब के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं तो इसमें दही व ओट्स भी मिक्स कर सकते हैं। **एलोवेरा** एलोवेरा हाइपर-पिगमेंटेशन को दूर करने में मदद करता है, जो आपके चेहरे के नेचुरल कलर को वापिस लाने में मदद करते हैं। साथ ही, इसमें मौजूद कूलिंग एजेंट आपकी त्वचा को आराम देते है और मृत त्वचा कोशिकाओं को दूर करके स्किन को ब्राइटन करते हैं। कई घंटों तक बाहर रहने के बाद भी गर्मियों के दौरान यह एक बेहतरीन स्किन रिलैक्सर है।

अपनी डायट में शामिल करें ये 9 चीजें, नहीं होगी प्रोटीन की कमी

पूरे दिन काम करने के लिए शरीर को ऊर्जा की जरूरत होती है और इसके लिए जरूरी होता है प्रोटीन। यह सच है कि अंडे और मीट में प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि शाकाहारी लोग प्रोटीन की जरूरत को पूरा नहीं कर सकते। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अंडे और मीट के अलावा और कई ऐसे खाद्य पदार्थ है जिसमें प्रोटीन की मात्रा बहुत अधिक होती है। इन खाद्य पदार्थों को डायट में शामिल करके आप प्रोटीन की कमी को दूर कर सकते हैं।

दलिया- प्रोटीन से भरपूर दलिया नाश्ते का हेल्दी विकल्प है। इसमें प्रोटीन के साथ ही फाइबर, मैगनीज, मैगनेशियम और विटामिन बी1 भी पाया जाता है। जिससे पूरे दिन काम करने के लिए शरीर को भरपूर ऊर्जा मिलती है।

ब्रोकली- विशेषज्ञों के मुताबिक, इस हरी सब्जी में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। साथ ही इसमें विटामिन सी, विटामिन के, फाइबर और पोटैशियम होता है और कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। जिससे वजन घटाने वालों के लिए भी यह अच्छा विकल्प है। **बादाम-** हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, रोजाना बादाम भिगोकर सुबह खाली पेट खाएं, इससे शरीर को पर्याप्त प्रोटीन मिल जाता है। इसके अलावा बादाम में फैट, विटामिन और मिनरल पर्याप्त मात्रा में होता है। रोजाना

बादाम खाने से सेहत अच्छी रहती है। **राजमा-** राजमा को शाकाहारी मीट भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। राजमा स्वाद के साथ ही सेहत से भी भरपूर होता है। राजमा को आप सब्जी, सलाद या सूप में मिलाकर खा सकते हैं। राजमा की सब्जी बहुत स्वादिष्ट बनती है। दाल- दाल-चावल भारतीय भोजन का अहम हिस्सा है और यह बहुत ही सेहतमंद भी होता है। डायट विशेषज्ञों के मुताबिक, दालें शाकाहारी प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत हैं। अरहर, मूंग, मसूर, चना, उड़द सभी तरह की दालों में हाई प्रोटीन होता है, तो रोजाना दाल को अपनी डायट में ज़रूर शामिल करें।

दूध- कैल्शिम के साथ ही दूध प्रोटीन का भी अच्छा स्रोत है। यदि आप प्रोटीन की कमी से बचना चाहते हैं, तो रोजाना एक ग्लास दूध पीएं। यदि आप डायटिंग कर रहे हैं या वजन घटाना चाहते हैं तो आप सोया मिल्क का सेवन कर सकते हैं, इसमें भी प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है। पनीर- दूध के अलावा दूध से बने पनीर में भी भरपूर प्रोटीन होती है और पनीर लगभग सबको पसंद आता है। आप पनीर की सब्जी, परांठा, पुलाव कुछ भी बना सकते हैं। बड़ों से लेकर बच्चों तक को इसका स्वाद बहुत भाता है, तो इसे डायट में शामिल करके आप प्रोटीन की कमी को पूरा कर सकते हैं। इसे आप सलाद में भी मिला सकते हैं। **पालक-** विशेषज्ञों का कहना है कि पौष्टिक तत्वों से भरपूर पालक प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। पालक का सूप बनाने के अलावा आप इसकी सब्जी, दाल, पुलाव आदि भी बना सकते हैं। पालक बड़ों और बच्चों दोनों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। **गेहूं का आटा-** आटे से चपाती के अलावा, परांठा, हलवा आदि कई चीज़ें बनाई जाती है। आटे में काबीहाइड्रेट के साथ ही प्रोटीन भी भरपूर मात्रा में होता है। इसके अलावा इसमें विटमिन-बी, जिंक, आयरन और मैगनेशियम आदि भी पाए जाते है। जो लोग अंडा, मीट, मछली नहीं खाते वह इन शाकाहारी खाद्य पदार्थों को नियमित रूप से डायट में शामिल करके प्रोटीन की कमी को दूर कर सकते है।

प्रेग्नेंसी के दौरान ये 4 हेल्थ प्रॉब्लम्स बच्चे पर भी असर डाल सकती हैं

कहते हैं कि प्रेग्नेंसी में महिला जितनी खुश रहती है, उसका बच्चा उतना स्वस्थ पैदा होता है। लेकिन बच्चे की सेहत के लिए सिर्फ खुश रहने से काम नहीं चलता, बल्कि रहन-सहन भी हेल्दी रखना ज़रूरी है। हेल्दी खाना, स्मोकिंग, अल्कोहल से दूर रहना, नियमित रूप से दवाई लेना, टेस्ट करवाना और डाक्टर की सलाह मानना प्रेग्नेंसी के दौरान बच्चे और मां को सुरक्षित रखता है। दरअसल, गर्भावस्था के दौरान, मां को डायबिटीज़, ओबेसिटी, थाइरॉइड और अन्य बीमारियां होने का रिस्क काफी होता है, जिसका असर बच्चे पर भी पड़ सकता है। यह प्रभाव शॉर्ट-टर्म भी हो सकता है, और लॉन्ग-टर्म भी। इसलिए ज़रूरी है कि मां अपने लाइफस्टाइल और ईटिंग हैबिटस पर ख़ास ध्यान दे। ये हैं प्रेग्नेंसी के दौरान, मां को होने वाली कुछ बीमारियां, जिनका असर बच्चे पर भी पड़ सकता है। **1- जेस्टेशनल डायबिटीज़ :** प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इस दौरान उन्हें कई बीमारियां लग जाती हैं, जिनका असर सीधे बच्चे पर होता है और जेस्टेशनल डायबिटीज़ उनमें से एक है। इससे बच्चे को सांस लेने में दिक्कत आ सकती है। सिर्फ यही नहीं, इसके चलते बच्चे को ओबेसिटी, टाइप 2 डायबिटीज़ या दिल से जुड़ी दिक्कतें भी हो सकती हैं। **2- एनीमिया :** अगर रिसर्च की जाए तो अधिकतर महिलाओं में खून की कमी यानी एनीमिया की बीमारी दिखेगी। इसलिए प्रेग्नेंसी शुरू होते ही होने वाली मां को आयरन की दवाई हर रोज़ लेने को कहा जाता है, क्योंकि अगर मां के शरीर में खून की कमी होगी, तो इसका नेगेटिव प्रभाव बच्चे पर भी पड़ेगा। सिर्फ यही नहीं, अगर प्रेग्नेंसी के दौरान, महिला की रिपोर्ट में आयरन की कमी नज़र आती है, तो कई बच्चों का वज़न भी जन्म के दौरान कम होता है, या फिर कई केसिस में बच्चे प्री-मेच्योर पैदा होते हैं। **3- जेस्टेशनल हाइपरटेंशन :** जेस्टेशनल हाइपरटेंशन का रिस्क प्रेग्नेंसी के 20वें हफ्ते में बहुत ज़्यादा होता है। इसी दौरान यह बीमारी डिवेलप होती है। इस बीमारी में न्यूट्रिएंटस और ऑक्सीजन बच्चे को भरपूर मात्रा में नहीं मिल पाते। ऐसे में बच्चे का वज़न कम हो सकता है और लो ब्लड शुगर के चांस होते हैं। इससे और भी कई खतरनाक बीमारियां लग सकती हैं, इसलिए जेस्टेशनल हाइपरटेंशन को गंभीरता से लेना चाहिए। **4- मटर्नल ओबेसिटी** अगर प्रेग्नेंसी के दौरान महिला ओवरवेट है या उसे ओबेसिटी है, तो इसका असर बच्चे की ग्रोथ पर हो सकता है। ना ही सिर्फ बच्चे को डायिबिटीज़ और ओबेसिटी की दिक्कत हो सकती है, बल्कि बच्चा समय ये पहले यानी प्री-मेच्योर भी पैदा हो सकता है।

गर्भवती होने के संकेत देते हैं ६ लक्षण

मां बनना किसी भी महिला के लिए जीवन के सबसे बड़े उपहार जैसा होता है और इस खबर को सुनने के लिए हर महिला बैताब रहती है। यूं तो गर्भधारण करने पर कुछ लक्षण साफ दिखाई दे जाते हैं लेकिन कई बार कुछ महिलाएं शुरूआती समय में गर्भधारण के लक्षणों को समझ नहीं पाती। जिससे कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के होने का खतरा बढ़ जाता है। आइए जानें महिलाओं में गर्भधारण के दौरान गर्भावस्था के लक्षणों को। गर्भावस्था के दौरान सिर्फ महिला ही दूसरा जन्म नहीं लेती बल्कि पुरूष का भी ये दूसरा जन्म माना जाता है। चाहे फिर भ्रूण महिला के भीतर ही क्यों न पल रहा हो। पुरूष का भी जुड़ाव उतना ही माना जाता है। कहा भी जाता है एक महिला तभी संपूर्ण होती है जब वह गर्भधारण करती है। **माहवारी का बंद होना :** स्वस्थ महिला को प्रतिमाह माहवारी निश्चित समय या उसके आसपास होती है लेकिन गर्भधारण करते ही माहवारी आनी बंद हो जाती है। यह गर्भधारण का सबसे पहला लक्षण माना जाता है। **उल्टी आना :** अधिकाशः महिलाओं को गर्भावस्था के शुरूआती 3 महीनों में सुबह-सुबह मतली आने की समस्या सबसे ज्यादा होती है। गर्भधारण के प्रारंभिक लक्षणों में जी मिचलाना, उल्टी आना इत्यादि शामिल है। अगर आपको इसमें से कोई भी लक्षण दिखाई दे, तो समझ लेना चाहिए कि आप गर्भवती है। **सिरदर्द :** गर्भावस्था के संकेतों में सिर दर्द भी शामिल हैं। सिर दर्द तो कभी भी हो सकता हे लेकिन हार्मोंस के निरंतर बदलाव के कारण तनाव होने लगता है जिससे कुछ महिलाओं को सिर दर्द की शिकायत होने लगती है। **स्तनों में भारीपन :** स्तनों में गर्भावस्था के दौरान दर्द होने लगता है। हालांकि ये दर्द माहावारी से पहले भी होता है लेकिन गर्भावस्था के दौरान स्तन कोमल भी हो जाते हैं। साथ ही स्तनों में भारीपन, उनके आकार में परिवर्तन, निपल्स के आसपास के हिस्से में ज्यादा कालापन आना और स्तनों में नसों का फूलना आदि गर्भावस्था के लक्षण है। **बहुत अधिक थकान :** गर्भधारण करने के पहले हफ्ते से ही बहुत अधिक थकान होना, खासतौर पर सुबह के समय थकान, एक प्रमुख लक्षण है। इस अवस्था में शरीर में प्रोजेस्टोरोन हार्मोन बनता है जिससे शरीर बहुत जल्दी थक जाता है। **बार-बार यूरीन आना :** गर्भावस्था के शुरूआती दिनों में यूरीन बार-बार आता है क्योंकि इस दौरान आपका शरीर अतिरिक्त तरल पदार्थ उत्पादित करता है जिससे मूत्राशय पर दबाव पड़ता है और आपको बार-बार यूरीन के लिए जाना पड़ता है। गर्भावस्था सुझाव में डॉक्टर नियमित जांच कराने, पौष्टिक आहार लेने, खूब पानी पीने, फल-जूस इत्यादि के सेवन के साथ ही प्रतिदिन व्यायाम की सलाह भी देते हैं। इन लक्षणों का ध्यान रख आप आसानी से पता कर सकती हैं की आप मां बनने वाली हैं। लेकिन फिर भी डॉक्टर से एक बार जांच व रक्त परिक्षण करा लेना ठीक रहता है। इससे आपको भी पूरी तरह संतुष्टी हो जाती है और मन में कोई शंका नहीं रहती।

राजस्थान रॉयल्स की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा लखनऊ सुपरजाइंट्स को

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अब तक उतार-चढ़ाव वाला प्रदर्शन करने वाली लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम को अगर जीत की राह पर लौटना है तो उसे अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। लखनऊ की टीम ने अभी तक तीन मैच जीते हैं जबकि दो मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। उसके पास प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन उसके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में लखनऊ की टीम बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी जिससे आखिर में वह 10 से 15 रन कम बना पाई।

कप्तान केएल राहुल ने 56 गेंदों पर 74 रन बनाकर फॉर्म ने वापसी की जो कि टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। उसके बल्लेबाजों को हालांकि बीच के ओवरों में रन बनाने पर ध्यान देना होगा। लखनऊ के पास काइल मायर्स, निकोलस पूरन और मार्कस स्टोइनिस के रूप में अच्छे पावर हिटर हैं लेकिन उसके बल्लेबाज अच्छी साझेदारी नहीं निभा पा रहे हैं। इसके अलावा दीपक हुड्डा का रन नहीं बना पाना भी टीम के लिए चिंता का विषय है। पंजाब के खिलाफ लखनऊ में प्रतिभाशाली रवि बिश्नोई को देर से गेंद सौंपने की गलती की। बिश्नोई अपनी गुगली से बल्लेबाजों को गच्चा देने में माहिर हैं और कप्तान राहुल को डेथ ओवरों की बजाय बीच के ओवरों में उनका इस्तेमाल करना चाहिए। टीम के दो अन्य स्पिनर कृष्णप्पा गौतम और क्रुणाल पंड्या अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं।

मार्क वुड और आवेश खान के रुप में लखनऊ के पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं। पंजाब के खिलाफ युद्धवीर सिंह चरक ने भी अपना प्रभाव छोड़ा। लखनऊ के लिए हालांकि राजस्थान से पार पाना आसान नहीं होगा जिसने लगातार तीन मैचों में जीत दर्ज करके अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया है। राजस्थान के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है जिसमें यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर और संजू सैमसन ने टीम के शीर्ष क्रम में बहुत अच्छी भूमिका निभाई है। बटलर ने अभी तक टीम की तरफ से सर्वाधिक 204 रन बनाए हैं जबकि जायसवाल के नाम पर 136 रन दर्ज हैं।

गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछले मैच में यह दोनों सलामी बल्लेबाज नहीं चल पाए थे और ऐसे में कप्तान सैमसन और वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा कर टीम को जीत दिलाई थी। देवदत्त पडिक्कल ने भी आक्रामक पारी खेली लेकिन रियान पराग मौके का फायदा उठाने में नाकाम रहे। राजस्थान का गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है जिसमें युजवेंद्र चहल, एडम जंपा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दुनिया के नामी स्पिनर शामिल हैं। उसके पास ट्रेंट बौल्ट जैसा मारक तेज गेंदबाज है जबकि संदीप शर्मा अपने अनुभव का अच्छा उपयोग कर रहे हैं।

टीम इस प्रकार हैंः लखनऊ सुपर जायंट्सः केएल राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), काइल मेयर्स, दीपक हुड्डा, कुणाल पंड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, मयंक यादव। राजस्थान रॉयल्सः संजू सैमसन (कप्तान), अब्दुल बसिथ, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेड मैककॉय , देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एडम ज़म्पा। मैच का समयः शाम 7:30 बजे।

जयसूर्या के पांच विकेट से आयरलैंड पर फॉलोऑन का खतरा

नई दिल्ली। प्रबाथ जयसूर्या के पांच विकेट से श्रीलंका ने पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन यहां आयरलैंड का स्कोर पहली पारी में सात विकेट पर 117 रन करके मैच पर शिकंजा कस लिया। श्रीलंका ने पहली पारी छह विकेट पर 591 रन बनाकर घोषित की थी और आयरलैंड को फॉलोआन टालने के लिए अब भी 274 रन की दरकार है जबकि उसके सिर्फ तीन विकेट बचे हैं। दिन का खेल खत्म होने पर लोरकान टकर 21 जबकि एंडी ब्राइन पांच रन बनाकर खेल रहे थे। श्रीलंका ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 386 रन से की। पांच साल से अधिक समय बाद टीम में वापसी कर रहे सदीरा समरविक्रम (नाबाद 104) ने अपना पहला शतक लगाया।

कल के नाबाद बल्लेबाज दिनेश चांदीमल (नाबाद 102) पहली पारी में शतक जड़ने वाले चार बल्लेबाजों में शामिल रहे। कप्तान दिमथु करूणारत्ने (170) और कुसाल मेंडिस (140) ने पहले दिन दूसरे विकेट के लिए 281 रन जोड़कर श्रीलंका के लिए ठोस मंच तैयार किया था। दिन की शुरुआत में कर्टिस कैंफर (84 रन पर दो विकेट) ने रात्रि प्रहरी जयसूर्या (16) को पगबाधा करके आयरलैंड को अच्छी शुरुआत दिलाई। जयसूर्या ने डीआरएस नहीं लेने का फैसला किया जबकि रीप्ले में दिखा कि गेंद विकेट से नहीं टकराती।

ऑफ स्पिनर एंडी मैक ब्राइन ने इसके बाद धनंजय डिसिल्वा (12) को पगबाधा करके श्रीलंका स्कोर छह विकेट पर 408 रन किया। चांदीमल और समरविक्रम ने इसके बाद 183 रन की अटूट साझेदारी की। समरविक्रम ने 114 गेंद की अपनी पारी में 11 चौके मारे जबकि चांदीमल ने 12 चौकों की मदद से अपना 15वां शतक पूरा किया। इसके जवाब में आयरलैंड की शुरुआत खराब रही। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज विश्व फर्नांडो (22 रन पर दो विकेट) ने दूसरे ओवर की अपनी पहली ही गेंद पर मरे कोमिंस (00) को बोल्ड किया।

फर्नांडो ने इसी ओवर में कप्तान एंडी बालबिर्नी (04) को आउट करके आयरलैंड का स्कोर चार रन पर दो विकेट किया। सलामी बल्लेबाज जेम्स मैकोलम (35) और हैरी टेक्टर (34) ने तीसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़े लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद आयरलैंड की पारी चरमरा गई। जयसूर्या (42 रन पर पांच विकेट) ने टेक्टर को स्लिप में कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा और दो गेंद बाद कैंफर भी एक्सट्रा कवर पर रमेश मेंडिस को कैच दे बैठे। जयसूर्या ने मैकोलम (35) को भी बोल्ड किया।

तेंदुलकर ने बेटे के आईपीएल पदार्पण पर कहा चाहता हूं कि अर्जुन खुलकर खुद को जाहिर करे

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुंबई इंडियन्स की ओर से जब अर्जुन तेंदुलकर पदार्पण मुकाबला खेल रहे थे तो महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर

डग आउट की जगह ड्रेसिंग रूम में थे क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि उनके बेटे का ध्यान भटके। बाएं हाथ के 23 साल के तेज गेंदबाज अर्जुन ने दो ओवर में 17 रन दिए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। कार्यवाहक कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उनसे पहला और तीसरा ओवर कराया। गोवा के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने वाले अर्जुन ने 'आईपीएलटी20.कॉम' से कहा, ''यह शानदार लम्हा था। उस टीम के लिए खेलना शानदार था जिसका मैं 2008 से समर्थन कर रहा हूं और मुंबई इंडियन्स तथा भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा से कैप मिलना शानदार था।''

तेंदुलकर ने पहली बार अपने बेटे को प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेलते हुए देखा। रविवार को मुंबई इंडियन्स की नाइट राइडर्स के खिलाफ सात विकेट की जीत के बाद तेंदुलकर ने कहा, ''यह मेरे लिए नया अनुभव था क्योंकि इससे पहले मैं मैदान पर उसे खेलते हुए देखने नहीं गया था। मैं चाहता था कि मैं मैदान पर खुलकर खुद के जाहिर रहे और जो वह करना चाहता है वह करे।'' हालांकि नाइट राइडर्स की पारी की शुरुआत में तेंदुलकर बाउंड्री के बाहर डग आउट में नहीं बैठे क्योंकि इससे अर्जुन का ध्यान भटक सकता था।

तेंदुलकर ने कहा, ''आज मैं ड्रेसिंग रूम में बैठा क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि उसका (अर्जुन का) ध्यान अपनी योजना से भटके और वह बड़ी स्क्रीन की तरफ देखे और अचानक महसूस करे कि मैं उसे देख रहा हूं इसलिए मैं अंदर था।'' पिता के रूप में यह तेंदुलकर के लिए भावनात्मक लम्हा था और उन्होंने फ्रेंचाइजी के साथ 16 साल के अपने जुड़ाव को याद किया। वह छह साल खिलाड़ी के रूप में और पिछले 10 साल से 'मार्गदर्शक' के रूप में टीम से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अलग अहसास है क्योंकि 2008 मेरे लिए पहला सत्र था और 16 साल बाद वह इसी टीम की ओर से खेल रहा है, यह बुरा नहीं है।

राजस्थान में 23 जून से होंगे ग्रामीण और शहरी ओलंपिक खेल

नई दिल्ली। राजस्थान में जून महीने में राजीव गांधी ग्रामीण व शहरी ओलंपिक खेलों का आयोजन होगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसके लिए 130 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को दी मंजूरी दी है। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि राज्य में एक बार फिर से राजीव गांधी ग्रामीण खेलों के साथ शहरी ओलंपिक खेलों का बिगुल बजेगा। ग्रामीण ओलंपिक की सफलता और खिलाड़ियों के उत्साह को देखते हुए अब ग्रामीण और शहरी ओलंपिक खेलों का एक साथ आयोजन होगा। इन खेलों के आयोजन में लगभग 130 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मुख्यमंत्री गहलोत ने आयोजन के लिए वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके तहत खेलों की शुरुआत 23 जून से होगी। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी। खेल दिवस 29 अगस्त, 2023 को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रस्तावित है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने बजट 2023-24 में राजीव गांधी ग्रामीण और शहरी ओलंपिक खेलों के आयोजन के लिए घोषणा की थी। इन खेलों में ग्रामीण क्षेत्र में कबड्डी, खो-खो (महिला वर्ग), शूटिंगबॉल (पुरुष वर्ग), टेनिसबॉल क्रिकेट, फुटबॉल, वालीबॉल, रस्साकशी (महिला वर्ग) खेल होंगे।

भारतीय पुरुष टीम अभ्यास शिविर के लिए ताशकंद रवाना

नई दिल्ली। भारत की 19 सदस्यीय पुरुष मुक्केबाजी टीम 30 अप्रैल से 14 मई तक होने वाली विश्व चैम्पियनशिप से पहले अभ्यास शिविर के लिए सोमवार को ताशकंद रवाना हो गई। छह बार के एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता शिव थापा और 2019 में एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता दीपक भोरिया विश्व चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता को दो लाख डॉलर जबकि रजत पदक विजेता को एक लाख डॉलर और कांस्य पदक विजेता को 50 हजार डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।

विश्व चैंपियनशिप में भारत के 13 मुक्केबाज भाग लेंगे लेकिन कई देशों में होने वाले अभ्यास शिविर के लिए छह अन्य मुक्केबाजों को भी टीम में शामिल किया गया है। इनमें 2018 के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल भी शामिल हैं। ताशकंद में होने वाली चैंपियनशिप के लिए अभी तक 104 देशों के 640 मुक्केबाज पंजीकरण करा चुके हैं। इनमें फ्रांस के सोफियान ओउमिहा, जापान के टोमोया तसुबोई और सिवोन्ब्रेट्स ओकाज़ावा, अजरबैजान के लोरेन अल्फोंसो, कजाकिस्तान के साकेन बिबोसिनोव तथाक्यूबा के योएनलिस हर्नांडेज मार्टिनेज और जूलियो ला क्रूज जैसे सात मौजूदा विश्व चैंपियन भी शामिल हैं।

छह भार वर्ग- 51 किग्रा, 57 किग्रा, 63.5 किग्रा, 71 किग्रा, 80 किग्रा और 92 किग्रा में दो-दो भारतीय मुक्केबाज अभ्यास शिविर में भाग लेंगे। रिजर्व मुक्केबाज भी मुख्य टीम के साथ गए हैं। विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम : गोविंद साहनी (48 किग्रा), दीपक भोरिया (51 किग्रा), सचिन सिवाच (54 किग्रा), मोहम्मद हसमुद्दीन (57 किग्रा), वरिंदर सिंह (60 किग्रा), शिव थापा (63.5 किग्रा), आकाश सांगवान (67 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा), सुमित कुंडू (75 किग्रा), आशीष चौधरी (80 किग्रा), हर्ष चौधरी (86 किग्रा), नवीन कुमार (92 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा से अधिक)।

अभ्यास शिविर के लिए भारतीय टीमः गोविंद साहनी (48 किग्रा), दीपक भोरिया (51 किग्रा), अमित पंघाल (51 किग्रा), सचिन सिवाच (54 किग्रा), मोहम्मद हसमुद्दीन (57 किग्रा), सचिन (57 किग्रा), वरिंदर सिंह (60 किग्रा), शिव थापा (63.5 किग्रा), वंशज (63.5 किग्रा), आकाश सांगवान (67 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा), हेमंत यादव (71 किग्रा), सुमित कुंडू (75 किग्रा), आशीष चौधरी (80 किग्रा), संजय (80 किग्रा), हर्ष चौधरी (86 किग्रा), नवीन कुमार (92 किग्रा) , संजीत (92 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा से अधिक)।

लिवरपूल ने लीड्स को 6-1 से करारी शिकस्त दी

लीड्स। लिवरपूल ने लीड्स को 6-1 से करारी शिकस्त देकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में पिछले पांच मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की। लिवरपूल ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 7-0 से करारी शिकस्त देने के बाद पिछले छह सप्ताह में प्रीमियर लीग में कोई मैच नहीं जीता था। कोडी जोकपा ने लिवरपूल की तरफ से पहला गोल किया। इसके बाद मोहम्मद सालाह और डिएगो जोटा ने दो-दो गोल दागे। स्थानापन्न खिलाड़ी डार्विन नुनेज ने टीम की तरफ से छठा और अंतिम गोल किया। लिवरपूल ने चार गोल दूसरे हाफ में किए। लीड्स के लिए एकमात्र गोल दूसरे हाफ के शुरू में लुइस सिनिस्टररा ने किया। लिवरपूल के इस जीत से 31 मैचों में 47 अंक हो गए हैं और वाह आठवें स्थान पर बना हुआ है। लीड्स 16वें स्थान पर है। उसके 31 मैचों में 29 अंक हैं।

कोंवे और दुबे ने चेन्नई को दिलाई आरसीबी पर रोमांचक जीत

बेंगलुरू। डेवोन कोंवे के 45 गेंद में 83 रन और शिवम दुबे के 27 गेंद में 52 रन की मदद से चेन्नई सुपर किंग्स ने सोमवार को आईपीएल के मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को आठ रन से हरा दिया। पहले गेंदबाजी का आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसी का फैसला चेन्नई के बल्लेबाजों ने गलत साबित कर दिया और छह विकेट पर 226 रन बनाये। जवाब में आरसीबी आठ विकेट पर 218 रन ही बना सकी। आरसीबी के कप्तान डु प्लेसी ने 33 गेंद में 62 और ग्लेन मैक्सवेल ने 36 गेंद में 76 रन बनाकर मैच का नक्शा बदलने की कोशिश की। दोनों ने तीसरे विकेट के लिये 126 रन जोड़कर जीत की उम्मीद जगा दी थी। आरसीबी की शुरूआत बेहद खराब रही और फॉर्म में चल रहे विराट कोहली को आकाश सिंह ने पवेलियन भेज दिया। महिपाल लोमरोर भी खाता खोले बिना आउट हो गए। इसके बाद मैक्सवेल ने अगले ओवर में आकाश को दो छक्के लगाकर हाथ खोले। डुप्लेसी ने भी तुषार देशपांडे को दो चौके और एक छक्का लगाया। आकाश के अगले ओवर में डुप्लेसी ने दो चौके और एक छक्का जड़ा। डुप्लेसी ने अपना अर्धशतक 23 गेंद में और मैक्सवेल ने 24 गेंद में पूरा किया। आरसीबी का स्कोर दस ओवर के बाद दो विकेट पर 121 रन था। महीश तीक्षणा ने हालांकि मैक्सवेल को एम एस धोनी के हाथों लपकवाकर इस साझेदारी का अंत किया। अगले ओवर में डुप्लेसी भी मोईन अली की गेंद पर धोनी को कैच दे बैठे। आखिरी पांच ओवर में आरसीबी को 58 रन की जरूरत थी और अनुभवी दिनेश कार्तिक क्रीज पर थे लेकिन देशपांडे ने उन्हें आउट करके आरसीबी की उम्मीदें खत्म कर दी। इससे पहले चेन्नई ने आक्रामक शुरूआत की और कोंवे ने दूसरे ओवर में ही वेन परनेल को मिडविकेट में चौका लगाया और तीन गेंद बाद छक्का जड़ा। रूतुराज गायकवाड़ तीसरे ओवर में मोहम्मद सिराज की गेंद पर परनेल को कैच देकर लौटे। कोंवे ने दूसरे छोर से रन बनाने का सिलसिला जारी रखते हुए विजयकुमार विशाख को चौका जड़ा। अगली गेंद पर अजिंक्य रहाणे ने हुक शॉट पर चार रन लिये। रहाणे ने 20 गेंद में 37 रन बनाये। उन्होंने छठे ओवर में परनेल को दो चौके और एक छक्का लगाकर 15 रन निकाले। सातवें ओवर में गेंदबाजी को आये ग्लेन मैक्सवेल को आते ही कोंवे ने चौका लगाया। रहाणे और कोंवे ने लगभग हर ओवर में चौका या छक्का जड़ा। कोंवे ने वानिंदु हसरंगा डिसिल्वा को दसवें ओवर में मिडविकेट पर ऊंचा छक्का लगाया। श्रीलंका के इस गेंदबाज ने हालांकि खतरनाक होती इस साझेदारी को तोड़कर रहाणे को पवेलियन भेजा। कोंवे ने इसी ओवर में दो रन लेकर लगातार दूसरा अर्धशतक पूरा किया। न्यूजीलैंड के इस बल्लेबाज ने फिर हसरंगा को चौका लगाकर दस ओवर में चेन्नई को दो विकेट पर 97 रन तक पहुंचाया।शिवम दुबे ने आते ही मैक्सवेल को छक्का लगाया जबकि कोंवे ने विजयकुमार को लगातार दो चौके जड़े। दुबे ने हर्षल पटेल को लांग आन पर छक्का लगाया और सिराज को मिडविकेट पर चौका जड़ा। इसके बाद स्क्वेयर लेग पर छक्का लगाया। चेन्नई का स्कोर 15 ओवर के बाद दो विकेट पर 165 रन था। कोंवे 16वें ओवर में पटेल की गेंद पर आउट हुए। उन्होंने रहाणे के साथ 74 और दुबे के साथ 80 रन की साझेदारी की। दुबे ने परनेल को छक्का लगाकर अर्धशतक पूरा किया लेकिन उसके बाद विकेट गंवा बैठे।

जब आप प्रदर्शन नहीं कर रहे होते तब भी सीएसके प्रबंधन आपको बुरा महसूस नहीं होने देता : जडेजा

नई दिल्ली। सीनियर ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा का मानना है कि सभी को समान सम्मान और मुश्किल समय के दौरान खिलाड़ियों के प्रति सहानुभूति चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के प्रबंधन का मजबूत पक्ष है जिसके कारण टीम ने चार इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीते। पिछले साल पहले चरण के दौरान सुपरकिंग्स की अगुआई करने वाले जडेजा को वांछित नतीजे नहीं मिले और करिश्माई कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने उनकी जगह ली। पता चला था कि कप्तानी छोड़ने

के बाद जडेजा थोड़ा निराश थे और इस तरह की अटकलें थी कि वह फ्रेंचाइजी को छोड़ना चाहते हैं लेकिन मौजूदा सत्र शुरू होने से काफी पहले ही सभी मतभेद सुलझा लिए गए। जडेजा ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, ''सीएसके प्रबंधन और मालिक (एन श्रीनिवासन) कभी किसी भी खिलाड़ी पर कोई दबाव नहीं डालते। सीएसके के साथ 11 साल बाद भी उनका वही रवैया है। जब आप प्रदर्शन नहीं कर रहे हों तब भी वे आपको बुरा महसूस नहीं होने देते।'' जडेजा ने कहा कि टीम में कोई छोटा या बड़ा नहीं है और उन्होंने कभी महसूस नहीं किया कि किसी विशेष खिलाड़ी के लिए कोई पूर्वाग्रह है। उन्होंने कहा, ''सीनियर और जूनियर जैसी कोई चीज नहीं है। यहां तक कि अंडर-19 के किसी भी युवा खिलाड़ी को अन्य सीनियर खिलाड़ियों की तरह ही सम्मान मिलता है। कोई दबाव नहीं है। किसी भी खिलाड़ी के बीच कोई पक्षपात नहीं है, चाहे वे खेल रहे हों या नहीं।'' जडेजा के लिए सीएसके के प्रशंसक काफी खास हैं जिन्हें 'व्हिसल पोडू' ब्रिगेड के नाम से जाना जाता है। उन्होंने बताया कि किस तरह सीएसके ने प्रशंसकों के साथ गहरा संबंध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, विशेषकर जब उन्हें टूर्नामेंट के 2018 सत्र के घरेलू मुकाबले पुणे में खेलने पड़े। इस ऑलराउंडर ने कहा, ''सीएसके फ्रेंचाइजी ने दो से तीन हजार प्रशंसकों के लिए पुणे में रहने और उन सभी सात मैचों को देखने के लिए पूरी व्यवस्था की। उनके रहने और खाने की व्यवस्था, सब कुछ सीएसके ने किया। साथ ही उन्हें सीएसके की जर्सी भी दी गई थी।

कई खिलाड़ियों का टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करना सकारात्मक पहलू : बोल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा कि अलग-अलग समय पर विभिन्न खिलाड़ियों का टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करना राजस्थान रॉयल्स की बल्लेबाजी इकाई का सकारात्मक पहलू रहा है। राजस्थान रॉयल्स ने रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत के लिए 178 रन के लक्ष्य को सात विकेट गंवा कर हासिल कर लिया। टीम शुरुआती तीन ओवरों के बाद चार रन पर दो विकेट गंवाकर मुश्किल परिस्थिति में थी लेकिन कप्तान संजू सैमसन (60) और शिमरोन हेटमेयर (नाबाद 56) की प्रभावशाली बल्लेबाजी से उसने चार गेंद शेष रहते जीत दर्ज कर ली।

बोल्ट ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' हमारी टीम में कुछ बेहद प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं और मुझे लगता है कि असली सकारात्मक यह है कि अलग-अलग समय पर विभिन्न खिलाड़ियों ने टीम के लिए दमदार प्रदर्शन किया। '' न्यूजीलैंड के 33 साल के इस तेज गेंदबाज ने कहा, '' जोस (बटलर) जाहिर तौर पर हमारे लिए एक बड़ा खिलाड़ी है और मुझे यकीन है कि इस मैच में रन नहीं बनाने का उसे मलाल होगा। लेकिन बल्लेबाजी इकाई में अन्य खिलाड़ियों के द्वारा योगदान देने की भूख अद्भुत है।''

बोल्ट ने कहा, ''कप्तान (सैमसन) ने वहां बहुत दबाव झेला। उसने खेल को आगे बढ़ाने की कोशिश की और मैच में टीम की वापसी करायी। उसे दूसरे खिलाड़ियों का अच्छा समर्थन मिला।'' उन्होंने टाइटंस के

बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाने के लिए रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल और एडम जम्पा की स्पिन तिकड़ी के साथ तेज गेंदबाज संदीप शर्मा की भी सराहना की। अपने चार ओवर में 46 रन लुटा कर एक विकेट लेने वाले बोल्ट ने कहा, '' स्पष्ट रूप से स्पिनरों के 12 ओवर ने मैच में हमारी वापसी करायी। हर ओवर मायने रखता है लेकिन सैंडी (संदीप शर्मा) ने आखिरी ओवर में बेहतरीन गेंदबाजी की। इस विकेट पर उन्हें 175 रन के आसपास रोकना शानदार रहा। संदीप ने हमें दिखाया लेंथ और अच्छी स्विंग के साथ कैसे गेंदबाजी करनी है।

धोनी जैसा कप्तान न कभी हुआ और ना ही भविष्य में होगाः गावस्कर

नई दिल्ली। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास का सर्वश्रेष्ठ कप्तान करार देते हुए कहा कि उनके जैसा कप्तान ना कभी हुआ और ना ही भविष्य में होगा। धोनी ने 12 अप्रैल को चेन्नई में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में उतर कर चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से कप्तान के रूप में 200 मैच खेलने का रिकॉर्ड बनाया। यह 41 वर्षीय पूर्व भारतीय कप्तान यह उपलब्धि हासिल करने वाला आईपीएल के इतिहास में पहला खिलाड़ी है।

उनकी टीम यह मैच तीन रन से हार गई थी। पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर ने कहा,'' चेन्नई सुपर किंग्स जानता है कि मुश्किल परिस्थितियों से कैसे बाहर निकलना होता है। यह केवल महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी से ही संभव हो पाया है। 200 मैचों में कप्तानी करना बेहद मुश्किल है। इतने अधिक मैचों में कप्तानी करना बोझ है और इससे

उनका प्रदर्शन भी प्रभावित हो सकता है।'' आईपीएल प्रसारकों की विज्ञप्ति के अनुसार गावस्कर ने कहा,'' लेकिन माही अलग तरह का है। वह अलग तरह का कप्तान है। उनके जैसा कप्तान ना कभी हुआ और ना ही भविष्य में होगा।''

धोनी आईपीएल के शुरू से ही चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। इस बीच इस आईपीएल टीम को उसके अधिकारियों के गैरकानूनी कामों में लिप्त पाए जाने के कारण दो साल (2016-17) के लिए निलंबित किया गया था और तब 2016 में उन्होंने 14 मैचों में पुणे सुपरजाइंट्स की अगुवाई की थी। इस तरह से वह आईपीएल में अब तक 214 मैचों में कप्तानी कर चुके हैं। धोनी की अगुवाई में चेन्नई सुपर किंग्स ने चार बार आईपीएल का खिताब जीता है। चेन्नई के कप्तान के रूप में अब तक उनका रिकॉर्ड 120 जीत और 79 हार है जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

गावस्कर ने इसके साथ ही स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की भी प्रशंसा की जिन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को इस सत्र में अच्छी शुरुआत दी है। उन्होंने कहा,'' विराट कोहली आरसीबी को पारी के शुरू में आक्रामक शुरुआत दे रहे हैं। आरसीबी की शानदार शुरुआत के लिए बहुत अधिक श्रेय उन्हें जाता है जिससे टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही है। यह आरसीबी के लिए अच्छा संकेत है।

सम्पादकीय

देश के छह राज्यों में दो संप्रदायों के बीच पथराव

रामनवमी के मौके पर देश के अलग-अलग हिस्सों में जिस तरह की हिंसा देखने को मिली, वह कई लिहाज से चिंताजनक और निंदनीय है। दो दिनों के अंतराल में देश के छह राज्यों के अलग-अलग शहरों में दो संप्रदायों के लोगों के बीच पथराव, मारपीट, आगजनी जैसी घटनाएं हुईं। महाराष्ट्र के मालाड (मुंबई), जलगांव और संभाजीनगर (औरंगाबाद), पश्चिम बंगाल के हावड़ा और डालखोला, बिहार के सासाराम और नालंदा, उत्तर प्रदेश के लखनऊ, हरियाणा के सोनीपत, गुजरात के वड़ोदरा और कर्नाटक के हासन में हुईं इन घटनाओं को लेकर पुलिस, प्रशासन, स्थानीय संगठनों और राजनीतिक दलों के अलग-अलग स्पष्टीकरण भी आ रहे हैं। लेकिन कुल मिलाकर ये सब जिस एक तथ्य को रेखांकित कर रहे हैं वह यह है कि इन्हें महज स्थानीय घटनाओं के रूप में नहीं लिया जा सकता, न ही किसी संयोग का परिणाम माना जा सकता है। ध्यान रहे, पर्व-त्योहार के मौके पर देश के कुछ हिस्सों में तनाव बन जाना या छिटपुट हिंसा की भी खबरें आना कोई नई बात नहीं है। लेकिन ऐसी घटनाएं हमेशा अपवाद के रूप में रही हैं। आम तौर पर हमारे सभी पर्व-त्योहार शांतिपूर्वक और मिल-जुलकर ही मनाए जाते रहे हैं। गौर करने की बात यह है कि पिछले कुछ समय से इस स्थिति में जबर्दस्त बदलाव देखने में आ रहा है। पिछले साल रामनवमी 10 अप्रैल को पड़ी थी। तब भी छह राज्यों- गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और गोवा- में हिंसा, पथराव की घटनाएं दर्ज की गई थीं। यही नहीं, इसके कुछ ही दिन बाद हनुमान जयंती के मौके पर दस राज्यों से हिंसा की खबरें कई दिनों तक आती रही थीं। जाहिर है, पर्व-त्योहार पर सांप्रदायिक हिंसा और तनाव अपने देश में नया नॉर्मल बनता जा रहा है। एक स्तर पर निश्चित रूप से यह कानून व्यवस्था की भी समस्या है। पुलिस और प्रशासन की नाकामी इसका एक अहम पक्ष है। लेकिन बात उतने तक सीमित नहीं है। समस्या का ज्यादा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि हमारे समाज की समरसता में, मिल-जुलकर प्यार से रहने की भावना में निरंतर कमी आ रही है। यह बात हमेशा हिंसा के ही रूप में प्रकट नहीं होती, अक्सर ऐसी प्रवृत्ति के रूप में दिखती है जो शांति भंग न करते हुए भी समाज के अलग-अलग हिस्सों में दूरी बढ़ाने का काम करती है। उदाहरण के लिए, नवरात्रि समारोहों में अन्य समुदाय के युवाओं को न आने देने की घोषणाओं को लिया जा सकता है। हेट स्पीच इसी का एक और उदाहरण है। ऐसी प्रवृत्तियां तत्काल भले किसी बड़ी अप्रिय घटना का कारण न बनें, दोनों तरफ ऐसी दुर्भावना को जन्म देती हैं, जो अन्य मौकों पर हिंसक घटनाओं को अंजाम देना आसान बना देती है। कानून व्यवस्था की एजेंसियों को ज्यादा चौकस करते हुए समाज में नफरत बढ़ा रही प्रवृत्तियों पर भी अंकुश लगाने की जरूरत है।

अमित ने अरुणाचल दौरे के दौरान सीमा के नजदीक से चीन को सख्त और साफ संदेश दे दिया है

नीरज कुमार दुबे

चीन को शायद पता नहीं है कि यह 1962 वाला भारत नहीं है। आज के भारत का सिद्धांत है कि कोई छेड़ेगा तो छोड़ेंगे नहीं, आज के भारत का सिद्धांत है कि कोई हमें आजमाने की कोशिश ना करे। अभी हाल ही में चीन ने अरुणाचल प्रदेश में कुछ नामों को बदलने की हिमाकत दिखाई तो आज आजाद भारत के इतिहास में पहली बार हुआ कि देश के गृह मंत्री अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन सीमा के एकदम नजदीक पहुँचे और चीन को साफ-साफ कह दिया कि वह समय चला गया, जब भारतीय भूमि पर कोई भी अतिक्रमण कर सकता था। अमित शाह ने सीमा के एकदम नजदीक से ऊँचे स्वर में स्पष्ट कहा कि आज सुई की नोंक के बराबर जमीन पर भी कोई कब्जा नहीं कर सकता। उम्मीद है कि अमित शाह की अरुणाचल प्रदेश यात्रा का विरोध कर रहे चीन ने भारत के गृह मंत्री का भाषण सुन लिया होगा और उनकी कही गयी बात को गाँठ बांध लिया होगा। भारत के गृह मंत्री का भाषण देश की अखंडता और सीमाओं की सुरक्षा के प्रति भारत सरकार के दृढ़ रुख का तो समर्थन करता ही है साथ ही देश की जनता को भी आश्वस्त करता है कि देश सही हाथों में है। देखा जाये तो पहले की सरकारों के दौरान सीमायी गांवों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। यही नहीं, सेना को भी यह अपने आप ही देखना होता था कि चुनौतियों से जूझते हुए वह कैसे तैनाती वाले इलाकों तक पहुँचेगी। लेकिन यह नरेंद्र मोदी का भारत है। यहां विमर्श बदल गया है। अब सीमा के गांव आखिरी नहीं भारत के पहले गांव हैं। अब सेना को सिर्फ हथियारों से सुसज्जित नहीं किया जाता बल्कि उनकी तैनाती वाले इलाकों में ढाँचागत सुविधाएं बढ़ाई जाती हैं।

हम आपको बता दें कि मोदी सरकार ने अरुणाचल में सड़क संपर्क के लिए विशेष रूप से 2500 करोड़ रुपये सहित 4800 करोड़ रुपये के केंद्रीय योगदान के साथ 'वाइब्रेंट विलेजेस प्रोग्राम' को मंजूरी दी है। अमित शाह ने भारत-चीन सीमा से लगे किबितू गांव में 'वाइब्रेंट विलेजेस प्रोग्राम' की शुरुआत के साथ ही 'स्वर्ण जयंती सीमा प्रकाश कार्यक्रम' के तहत निर्मित राज्य सरकार की नौ सूक्ष्म पनबिजली परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया है। ये बिजली परियोजनाएं सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों को सशक्त बनाएंगी। सीमाई इलाकों में सुविधा बढ़ाने के लिए सरकार कितनी प्रयासरत है इसका एक उदाहरण हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अरुणाचल दौरे के दौरान भी सामने आया था जब उन्होंने एलएसी के पास एक पुल का उद्घाटन कर भारत की रक्षा तैयारियों को बल प्रदान किया तथा अपने संबोधन के माध्यम से चीन को कड़ा संदेश भी दिया। सियोम नदी पर बनाया गया पुल रणनीतिक रूप से भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वास्तविक नियंत्रण रेखा के दूरदराज के क्षेत्रों में सैनिकों को तैनात करने में सहायक होगा। इसके अलावा रक्षा मंत्री ने सीमा सड़क संगठन द्वारा देश के सीमावर्ती इलाकों में निर्मित 28 मूल ढांचा परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित की थीं।

हम आपको बता दें कि चीन से चल रहे तनाव के बीच केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में भारत-चीन

सीमा की सुरक्षा करने वाली भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की सात नयी बटालियन और एक क्षेत्रीय हेडक्वार्टर के गठन को भी मंजूरी प्रदान की थी। इन बटालियन के निरीक्षण के लिये एक अतिरिक्त क्षेत्रीय हेडक्वार्टर का गठन करने का फैसला भी मोदी सरकार ने किया है। इसके लिये 9400 पदों का सृजन किया जायेगा। सरकार ने बताया है कि यह कार्य वर्ष 2025-26 तक पूरा कर लिया जायेगा। इसमें कार्यालय, आवासीय परिसर के निर्माण आदि कार्यों पर 1808 करोड़ रुपये का व्यय आयेगा। साथ ही वेतन, राशन आदि पर प्रति वर्ष लगभग 963 करोड़ रुपये का खर्च आयेगा।

क्या है वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम?: यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसके तहत उत्तरी सीमा से सटे अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के 19 जिलों के 46 ब्लॉक में 2,967 गांव की व्यापक विकास के लिए पहचान की गई है। पहले चरण के लिए अरुणाचल प्रदेश के 455 सहित 662 गांव की पहचान की गई है।

हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले साल अक्टूबर में उत्तराखंड में चीन सीमा के नजदीक आखिरी गांव माणा में जब गये थे तब उन्होंने कहा था कि सीमाओं पर बसे गांव को आखिरी गांव नहीं पहला गांव कहा जाना चाहिए। इन गांवों में बनने वाले उत्पादों की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री पर्यटकों से भी आग्रह करते रहे हैं कि वह जब भी कहीं घूमने जायें तो स्थानीय स्तर पर बनने वाले उत्पादों को अवश्य खरीदें। प्रधानमंत्री सीमा पर बसे गांवों के लोगों को देश का प्रहरी भी बताते रहे हैं। पिछले साल उन्होंने भाजपा राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में भी पार्टी के लोगों का आह्वान किया था कि वह सीमाओं पर बसे गांवों में समय गुजारें। इसके बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के सामरिक महत्व के उत्तरी सीमावर्ती इलाकों के विकास के लिए पूरी तरह केंद्र सरकार के खर्चे पर आधारित ''वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम'' को मंजूरी प्रदान की जोकि सिर्फ सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत नहीं करेगा बल्कि सीमाओं पर स्थित भारत के पहले गांवों और ग्रामवासियों की तकदीर भी बदल देगा।

हम आपको बता दें कि सरकार का यह कदम देश की उत्तरी सीमा के सामरिक महत्व को ध्यान में रखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। इससे इन सीमावर्ती गांवों में सुनिश्चित आजीविका मुहैया करायी जा सकेगी जिससे पलायन रोकने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी। सरकारी बयान के अनुसार, इस कार्यक्रम से चार राज्यों एवं एक केंद्र शासित प्रदेश के 19 जिलों और 46 सीमावर्ती ब्लाकों में आजीविका के अवसर और आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी। इससे उत्तरी सीमावर्ती क्षेत्र में समावेशी विकास सुनिश्चित हो सकेगा। इस कार्यक्रम से यहां रहने वाले लोगों के लिये गुणवत्तापूर्ण अवसर प्राप्त हो सकेंगे। इसके अलावा इससे समावेशी विकास हासिल करने तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंख्या को बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी। इस कार्यक्रम के पहले चरण में 663 गांवों को शामिल किया जाएगा।

इस योजना का उद्देश्य उत्तरी सीमा के सीमावती गांवों में स्थानीय, प्राकृतिक और अन्य संसाधनों के आधार पर आर्थिक प्रेरकों की पहचान और विकास करना तथा सामाजिक उद्यमिता प्रोत्साहन, कौशल विकास तथा उद्यमिता के माध्यम से युवाओं व महिलाओं को सशक्त बनाना है। ''वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम'' के तहत इन इलाकों में विकास केंद्र विकसित करने, स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान और विरासत को प्रोत्साहन देकर पर्यटन क्षमता को मजबूत बनाने और समुदाय आधारित संगठनों, सहकारिता, एनजीओ के माध्यम से 'एक गांव एक उत्पाद' की अवधारणा पर स्थायी इको-एग्री बिजनेस के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जायेगा। वाइब्रेंट विलेज कार्य योजना को ग्राम पंचायतों की सहायता से जिला प्रशासन द्वारा तैयार किया जाएगा। साथ ही इसके तहत केंद्रीय तथा राज्य योजनाओं की शत-प्रतिशत पूर्णता सुनिश्चित की जाएगी। इनके तहत सभी मौसमों के अनुकूल सड़क, पेयजल, 24 घंटे, सौर तथा पवन ऊर्जा पर केंद्रित विद्युत आपूर्ति, मोबाइल तथा इंटरनेट कनेक्टिविटी, पर्यटक केंद्र, बहुद्देशीय सेंटर तथा स्वास्थ्य एवं वेलनेस सेंटर के विकास पर जोर दिया जायेगा। इसमें कहा गया है कि यह सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम से अलग होगा।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत के पास देश की सीमा पर विरोधियों की चुनौतियों को विफल करने की पूरी क्षमता है। भारत कभी भी युद्ध को बढ़ावा नहीं देता है और हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखना चाहता है। यह संस्कृति और संस्कार हमें भगवान राम और भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से विरासत में मिला है। मगर इसके साथ ही भारतीय सेना में सीमा पर किसी भी चुनौती का सामना करने की क्षमता है और वह किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

जब भी कोई कारोबारी उभरता है तो उसे हमेशा शक की निगाह से ही क्यों देखा जाता है?

उमेश चतुर्वेदी

राहुल गांधी की अगुआई में जारी अभियान के चलते उद्योगपति गौतम अडानी अरसे से चर्चा में हैं। जिस हिंडनबर्ग रिपोर्ट की वजह से अडानी राहुल गांधी समेत तकरीबन समूचे नरेंद्र मोदी विरोधी राजनीतिक खेमे के निशाने पर हैं, उस रिपोर्ट पर मराठा दिग्गज शरद पवार ने सवाल उठा दिया है। शरद पवार ने कहा है कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट के पीछे विशेष एजेंडा की आशंका है। पवार के इस आरोप के बाद विपक्षी खेमे को सूझ नहीं रहा कि वह अडानी मामले को किस हद तक आगे ले जाए।

भारतीय कारोबार जगत की फितरत है, जब भी कोई कारोबारी घराना उभरता है, उसकी सफलता को सिर्फ और सिर्फ खास नजरिए से देखा जाता है। यह पहला मौका नहीं है, जब अडानी जैसा कोई कारोबारी निशाने पर है। पिछली सदी के नब्बे के दशक को याद कीजिए। तब अंबानी घराना ऐसे ही निशाने पर रहता था। दिलचस्प यह है कि तब रिलायंस इंडस्ट्रीज के उभार पर सवाल उठते थे। सवाल तो उस बिरला घराने पर भी उठे हैं, जिसके प्रमुख घनश्याम दास बिरला गांधी जी के नजदीकी थे। पिछली सदी के साठ के दशक में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के राज्यसभा सदस्य रहे बालकृष्ण गुप्ता ने बिरला को बेजा फायदे पहुंचाने को लेकर ना सिर्फ तब सोशलिस्टों के प्रमुख पत्र जन में धारावाहिक तौर पर लिखा था, बल्कि राज्यसभा में उस पर चर्चा की मांग की थी। बालकृष्ण गुप्त के उन भाषणों का संग्रह पुस्तक रूप में प्रकाशित हो चुका है। वैसे अडानी पर यह पहला मौका नहीं है, जब आरोप लगा है। यह भी दिलचस्प है कि अडानी घराने की कंपनियां राजस्थान और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकारों के साथ काम कर रही हैं। फिर भी कांग्रेस के आलाकमान के निशाने पर अडानी हैं। कुछ महीने पहले छत्तीसगढ़ के हसदेव इलाके में जारी खनन को लेकर अडानी पर सवाल उठे थे। बीते साल दिसंबर महीने में एक-दो दिन छोड़कर लगातार अडानी घराना निशाने पर रहा। भारत सरकार की नीतियों के अनुसार छत्तीसगढ़ की कोयला खदानों को राज्यों के बिजली बोर्डों को कैप्टिव पावर प्लांट को कोयले की सप्लाई के लिए दिया गया था। उनमें राजस्थान सरकार के निगम राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम को छत्तीगढ़ जंगल में खदाने आवंटित की गई। दिसंबर में आरोप लगा कि परसा केते खदान से कोयला निकालने के लिए अडानी की कंपनी से जो समझौता किया है, उसके तहत राजस्थान सरकार अडानी पर मेहरबान है। छत्तीसगढ़ की सिविल सोसायटी की ओर से यह आरोप लगा कि जनवरी 2021 से दिसंबर 2021 के बीच परसा केते माइन्स से एक लाख 87 हजार 579 डब्बे कोयले की ढुलाई हुई। जिसमें राजस्थान को 49 हजार 229 वैगन कोयला नहीं गया। बल्कि मध्य प्रदेश और दूसरे राज्यों की कंपनियों को गया। जिसमें अडानी ने मोटा मुनाफा कमाया। लेकिन अडानी एंटरप्राइजेज का कहना है कि राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के साथ हुए समझौते के तहत उसकी भूमिका बेहद सीमित है। उसका काम परसा और केंते खदान से निकलने वाले वाश्ड कोयले की ढुलाई राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के उन ताप विद्युत केंद्रों को करना है, जिन्हें निगम कहता है। इसलिए उस पर ऐसे आरोप बेहद निराधार हैं। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में स्थित परसा-केते कोयला ब्लॉक से कैप्टिव पावर प्लांट के लिए 2013 से ही कोयला निकाला जा रहा है। जिसमें करीब डेढ़ हजार स्थानीय लोगों को रोजगार मिला है। अडानी एंटरप्राइजेज का कहना है कि छत्तीसगढ़ सरकार के दिशा निर्देशों और राजस्थान बिजली बोर्ड के आदेशानुसार सिर्फ कोयले की ढुलाई करता है। अडानी पर आरोप लगता रहा है कि हसदेव क्षेत्र के जंगल को भी उनकी कंपनियां नुकसान पहुंचा रही हैं। लेकिन अडानी एंटरप्राइजेज का कहना है कि खदान का काम पर्यावरण मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के दिशानिर्देशों के मुताबिक होता है। इसके लिए राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम ने 38 सौ हेक्टेयर जमीन पर खदान की अनुमति छत्तीसगढ़ सरकार से ली है और इसके लिए निर्धारित शुल्क भी निगम ने ही चुकाया है। इसलिए अडानी एंटरप्राइजेज की भूमिका पर सवाल कैसे उठता है, यह समझ के परे है। समझौते के मुताबिक, अगर एक पेड़ खुदाई कार्य के लिए काटा जाता है तो उसके बदले साठ पेड़ लगाने होते हैं। अडानी एंटरप्राइजेज ऐसा कर रहा है। इसे दिखाने को भी एंटरप्राइजेज तैयार है। छत्तीसगढ़ सरकार के दिशा निर्देश के मुताबिक खदान वाले इलाके में कारपोरेट सोशल रिस्पान्सबिलिटी के लिए काम करने की जिम्मेदारी अडानी एंटरप्राइजेज को है। इसके तहत अडानी फाउंडेशन इलाके में लगातार कार्य चला रहा है। जिसके तहत अडानी विद्या मंदिर नाम से इलाके में स्कूल चल रहा है। जिसमें स्थानीय समुदाय के करीब 800 बच्चे पढ़ रहे हैं। उन्हें मुफ्त में वर्दी, किताब-कॉपी समेत तमाम स्टेशनरी, दोपहर का खाना और घर से स्कूल लाने-ले जाने के लिए वाहन की सुविधा भी दी जा रही है। अडानी फाउंडेशन इलाके में कौशल विकास कार्यक्रम भी चला रहा है। जिसके तहत वह करीब चार हजार स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर चुका है। इतना ही नहीं, इन युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम भी चला रहा है। अडानी फाउंडेशन खनन वाले इलाकों में अच्छी सड़कें, स्कूल भवन, सामुदायिक भवन, आदि बनवा रहा है या बनवा चुका है। इसके साथ ही पानी की आपूर्ति के साथ ही मोबाइल अस्पताल भी चला रहा है। अडानी फाउंडेशन और अडानी एंटरप्राइजेज का कहना है कि बयानबाजी करना और सवाल उठाना अलग बात है। लेकिन हकीकत कुछ और है। उसका कहना है कि उसे जो काम राजस्थान बिजली बोर्ड के बिजली उत्पादन निगम से मिला है, उसे वह निभा रहा है। उसका काम सिर्फ कोयले को राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के निर्धारित और निर्देशित केंद्रों तक पहुंचाना है और इसी काम को वह अंजाम देरहा है। पिछले साल अक्टूबर में राजस्थान में हुए निवेशक सम्मेलन में गौतम अडानी ने राजस्थान में 65 हजार करोड़ रूपए के निवेश की घोषणा की थी। तब अडानी की कंपनियों पर कुछ देर के लिए आरोप थमे थे। वैसे गौतम अडानी एक प्रमुख प्रकाशन समूह को विशेष साक्षात्कार देकर अपना पक्ष रख चुके हैं। इसके बावजूद हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर संसदीय और राजनीतिक हंगामा नहीं थमा। लेकिन लगता है कि शरद पवार के बयान के बाद अब विपक्षी राजनीति अडानी के मुद्दे पर पहले की तरह संगठित नहीं रह पाएगी। अडानी की कंपनियों की ओर से आई सफाई और पवार के बयान के बाद शायद राजनीति कुछ हद तक थमे...

माफियाओं के खिलाफ योगी के सख्त तेवरों से ही रहता है यूपी में अमन-चैन का माहौल

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए परम्परागत रूप से उठाये जाने वाले कदमों से अलग तौर तरीके से चल रहे हैं,जिसकी वजह से अपराधी खौफजदा हैं उनके मददगारों और पनाहगारों की संख्या कम होती जा रही है। असल में यूपी में जब कोई व्यक्ति अपराध करता है तो योगी की पुलिस उन अपराधियों को तो तुरंत धर दबोच लेती है जो पेशेवर अपराधी नहीं होते हैं और विपरीत परिस्थितियों में उनसे अपराध हो जाता है, लेकिन आदतन या पेशेवर अपराधी तत्वों को यूपी पुलिस तुरंत गिरफ्तार करने पर ज्यादा जोर नहीं देती है। यह वह अपराधी होते हैं जो पहले भी हवालात की सजा काट चुके होते हैं और उन्हें जेल जाने से डर भी नहीं लगता है। ऐसे में इन पेशेवर अपराधियों को सबक सिखाने के लिए योगी सरकार इन्हें जेल भेजने से पहले इनके दहशत के साम्राज्य को तोड़ती है। इनकी अवैध संपत्ति की कुर्की के लिए डोजियर तैयार किया जाता है। इसके बाद अपराधी की कमर तोड़ने के लिए बुलडोजर की इंट्री होती है। बुलडोजर पेशेवर अपराधी तत्वों की जुर्म की दुनिया में रहकर कमाई गई अकूत संपत्ति को नेस्तानाबूत करता है। गुंडे-माफियाओं और उनके गुर्गों द्वारा जबरन हथियाई गई जमीन को खाली कराया जाता है। यदि इनके पास किसी तरह के असलहे होते हैं तो उसका लाइसेंस रद्द किया जाता है। इसके पश्चात उन लोगों पर शिकंजा कसा जाता है जो सीधे तौर पर तो किसी अपराध से नहीं जुड़े होते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे से अपराधियों की मदद करते रहते हैं। विकास दुबे, मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद के साम्राज्य को इसी प्रकार से तोड़ा गया है।

ऐसे में कई अपराधी डर के मारे आत्मसमर्पण कर देते हैं या फिर पुलिस के साथ लुकाछिपी के खेल में एनकाउंटर के शिकार हो जाते हैं। बाहुबली विकास दुबे इसकी ताजा मिसाल है, जो पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। इससे पूर्व उसकी करोड़ों की अवैध संपत्ति भी पुलिस ने उसके कब्जे से खाली करा ली थी। इसी प्रकार मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद जैसे बाहुबलियों के भी आर्थिक साम्राज्य को तोड़ा गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के दूसरे कार्यकाल का एक साल पूरा हो गया है। अब तक के छह साल के कार्यकाल में यूपी पुलिस ने माफियाओं, अपराधियों और बदमाशों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की है। बाहुबली माफिया मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद, शराब माफिया बदन सिंह बद्दो, कुख्यात सुनील राठी, सुशील मूंछ, सुंदर भाटी, ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह और बाहुबली विजय मिश्रा समेत 64 गैंगस्टरों की 3000 करोड़ रुपए की संपत्तियां पुलिस ने या तो जब्त की हैं या फिर सरकार ने उन पर बुलडोजर चलवा दिया है। इसमें माफिया डॉन अतीक अहमद के अलावा मुख्तार अंसारी की 523

करोड़ रुपए की संपत्तियों पर कार्रवाई हुई है। इसी तरह ढाई लाख के इनामी बदन सिंह बद्दो की भी करोड़ों रुपए की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं जबकि उसके और उसके सहयोगियों के तमाम अवैध अड्डों पर बुलडोजर चलाया जा चुका है। बाहुबली विजय मिश्रा की भी 50 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्तियां अब तक जब्त की जा चुकी हैं।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अपराधियों को सजा दिलाने के मामले में भी काफी तत्परता दिखा रही है। योगी राज के दूसरे कार्यकाल के पहले ही वर्ष में यूपी के टॉप लेवल के 13 माफियाओं को कोर्ट ने सजा सुनाई है, जो पहले कभी नहीं हुआ। बाहुबली अतीक अहमद को हाल में ही उमेश पाल अपहरण कांड में उम्र कैद की सजा सुनाई है। अतीक गुजरात के साबरमती जेल में सजा काट रहा है। अतीक के खिलाफ सौ से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, लेकिन उसके खिलाफ कोई गवाही देने की हिम्मत नहीं जुटा पाता था। वहीं बाहुबली मुख्तार अंसारी जिसके खिलाफ कभी कोई गवाही नहीं देता था, उसको सजा दिलाने के लिए अभियोजन विभाग ने सशक्त पैरवी की। गवाहों को कोर्ट तक पहुंचाया। नतीजतन, मुख्तार अंसारी को उसके वर्षों से लंबित मुकदमों में सजा होनी शुरू हुई। मुख्तार अंसारी के खिलाफ प्रदेश के विभिन्न थानों में संगीन धाराओं के 61 मुकदमे दर्ज हैं। इसी तरह बाहुबली विजय मिश्रा जिसके खिलाफ संगीन धाराओं के 83 केस दर्ज हैं उसे भी कोर्ट ने सजा दी। अभियोजन विभाग की पैरवी से आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सजा मिली जिससे उनकी विधायकी रद्द हुई। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति में पुलिस और अन्य एजेंसियों के सहयोग से यह सब संभव हुआ।

योगी सरकार के एक साल की बात की जाए तो योगी राज में बीते एक साल में 21 अपराधी मुठभेड़ में मारे गए, 1256 अपराधी मुठभेड़ में घायल हुए। वहीं एनकाउंटर के दौरान 182 पुलिसकर्मी भी घायल हुए। इसी बीच 25000 के 2749 इनामी अपराधी गिरफ्तार हुए और 50000 के 267 इनामी अपराधी गिरफ्तार हुए, इसके अलावा 50,000 से ज्यादा इनाम वाले 36 अपराधी गिरफ्तार हुए। गैंगस्टर एक्ट के 3903 केस रजिस्टर किए गए जबकि 12513 आरोपी गिरफ्तार करके जेल भेजे गए। 126 अपराधियों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई हुई। गैंगस्टर एक्ट के तहत कुल 70 अरब 58 करोड़ 64 लाख 33 हजार 537 रुपए की चल अचल संपत्तियां जब्त की गईं।

बीते एक साल में एसटीएफ ने 847 अपराधियों को गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने चार अपराधियों को एनकाउंटर में मारा और 85 इनामी अपराधी गिरफ्तार किए। इसी अवधि में साइबर क्राइम करने वाले 16 अपराधी गिरफ्तार किए गए जबकि ड्रग्स की तस्करी करने वाले 210 अपराधी गिरफ्तार किए गए। 458.79 करोड़ रुपए के ड्रग्स बरामद किए गए। बीते एक साल में 35 असलहा तस्कर दबोचे गये तो 131 असलहे बरामद किए गए। हाईटेक सर्विलेंस से 69 वारदातों को रोका गया। योगी सरकार आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने में भी पीछे नहीं रही। यूपी में आईएसआईएस, जैश-ए-मोहम्मद, अल कायदा, आईएसआई जैसे आतंकी संगठनों से संबंधित 21 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान पीएफआई, रोहिंग्या, बांग्लादेशी, नक्सल से संबंधित 13 लोगों की गिरफ्तारी की गई। लब्बोलुआब यह है कि योगी राज में अपराधियों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया गया। गुंडे-माफियाओं ने दहशत के बल पर अपना जो साम्राज्य खड़ा किया था, उसे योगी की पुलिस ने ऐसे माफियाओं-बाहुबलियों के अंदर दहशत पैदा कर उसे धवस्त कर दिया। आज अपराधी हाथों में तख्ती लेकर सरेंडर कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

संघ सम्पूर्ण समाज को अपना मानता है : आरएसएस चीफ

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि संघ सम्पूर्ण समाज को अपना मानता है। एक दिन यह बढ़ते-बढ़ते समाज का रूप ले लेगा, तब संघ का यह नाम भी हट जाएगा और हिंदू समाज ही संघ बन जाएगा। भागवत यहां हेडगेवार स्मारक समिति के जिला कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद आरएसएस के स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे।

पालघर में पार्किंग स्थल पर लगी आग में 15 दो पहिया वाहन जलकर खाक

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक सार्वजनिक पार्किंग स्थल पर आग लगने से कम से कम 15 दो पहिया वाहन जलकर खाक हो गए। एक अग्निशमन अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वसई विरार महानगरपालिका के एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि जिले के वसई के नायगांव में स्थित पार्किंग स्थल पर सोमवार रात करीब साढ़े 10 बजे आग लग गयी लेकिन इसमें कोई भी हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद, स्थानीय अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे और उन्हें करीब दो घंटे में आग बुझाने में कामयाबी मिली।

मुख्यमंत्री योगी को सोशल मीडिया पर धमकी, मामला दर्ज

बागपत। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गोली मारने की धमकी संबंधी पोस्ट यहां सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि विवेचना के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उसके अनुसार प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी बागपत का रहने वाला नही है। बागपत कोतवाली पुलिस के मुताबिक अमन रजा नामक एक व्यक्ति ने फेसबुक पर मुख्यमंत्री को गोली मारने की धमकी से संबंधित संदेश डाला है। बागपत पुलिस क्षेत्राधिकारी डी के शर्मा ने बताया कि अमन रजा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की विवेचना के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

टिकट नहीं मिलने से नाराज दो बीजेपी नेताओं ने खाया जहर, एक की मौत, दूसरा अस्पताल में भर्ती

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव को लेकर राजनीति लगातार जारी है। हालंकि, चिकट नहीं मिलने से कई नेता नाराज भी हो रहे हैं। इन सब के बीच खबर यह है कि यूपी निकाय चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर 55 वर्षीय बीजेपी कार्यकर्ता ने रविवार को जहर खाकर जान देने की कोशिश की। इसका नाम मुकेश सक्सेना बताया जा रहा। वहीं, मुजफ्फरनगर से सटे शामली जिले में कांधला नगर पालिका अध्?यक्ष पद का टिकट नहीं मिलने से क्षुब्?ध भाजपा के एक नेता दीपक सैनी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। सैनी के परिजन के मुताबिक उसने भाजपा से नगर पालिका अध्?यक्ष पद के लिये टिकट मांगा था।

परिवार ने बताया कि टिकट नहीं मिलने से क्षुब्?ध होकर उसने जहर खा लिया। परिजनों ने बताया कि इस घटना के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्?सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस सिलसिले में मामला दर्ज कर आवश्?यक कार्यवाही की है। अमरोहा में नगर महासचिव मुकेश सक्सेना 4 मई को मंडी चौब क्षेत्र के वार्ड 27 से होने वाले निकाय चुनाव के लिए महीनों से पैरवी कर रहे थे, लेकिन उनका नाम शॉर्टलिस्ट नहीं किया गया और टिकट किसी और को दे दिया गया। इससे निराश होकर उसने अपने आवास पर खुद को मारने की कोशिश की और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पार्टी के जिला महासचिव राकेश वर्मा ने कहा कि मुकेश पिछले दो दशक से पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता थे और टिकट के प्रबल दावेदार थे। इससे परेशान होकर मुकेश ने यह कदम उठाया।' पुलिस ने कहा कि अभी तक इस मामले में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है।

अतीक और अशरफ की हत्या पर नीतीश कुमार न कहा बेहद निंदनीय है यह घटना

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने माफिया राजनेता अतीक अहमद और उनके भाई की उत्तर प्रदेश में हुई हत्या की निंदा करते हुए कहा, ''यह राज्य सरकार का कर्तव्य है कि वह पुलिस हिरासत में बंद आरोपियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।'' मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या से संबंधित पत्रकारों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुःखद घटना है। उन्होंने कहा, ''अपराधियों के सफाये का मतलब क्या है, उसको मार देना चाहिए। यह कोई तरीका नहीं है। उन्होंने कहा, ''ऐसा कोई नियम है क्या। यह तो अदालत का फैसला होता है, किसको फांसी की सजा होती है या किसको कितने समय तक जेल में रहना है।'' इससे पूर्व जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने इस हत्या को लेकर ट्वीट किया, ''बिहार में जंगलराज का विलाप करने वाले भाजपाइयों को उत्तरप्रदेश पुलिस बल के समक्ष अपराधियों की ठायें...ठायें और न्यायिक हिरासत में हत्या नहीं दिखाई दे रहा है। लेकिन ढीठ भाजपा सरकार तो न्यायालय और संविधान को ताक पर रखकर कानून की धज्जियां उड़ा रही है और अपनी पीठ खुद थपथपा रही है।

भाजपा नेताओं के खिलाफ टिप्पणी से जुड़े मामले में गुजरात के आप नेता इटालिया गिरफ्तार

सूरत। गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता गोपाल इटालिया को भाजपा की प्रदेश इकाई के नेताओं के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार कर लिया गया, हालांकि उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। आप नेता के खिलाफ यह मामला दो सितंबर 2022 को सूरत के उमरा पुलिस थाने दर्ज किया गया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया मंचों पर 'अपलोड' किये गये एक वीडियो संदेश में प्रदेश भाजपा प्रमुख सी आर पाटिल और गुजरात के मंत्री हर्ष संघवी के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया तथा भाजपा कार्यकर्ताओं को 'गुंडा' कहा। इटालिया ने अपने सहकर्मी मनोज सोरठिया पर अगस्त 2022 में सूरत में हुए कथित हमले के बाद वीडियो अपलोड किया था। वीडियो संदेश में इटालिया ने पाटिल और संघवी के बारे में कथित तौर पर कुछ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था तथा कहा था कि सोरठिया पर हुए हमले को भाजपा के गुंडों ने अंजाम दिया है। मामले की जांच सूरत अपराध शाखा कर रही है, जिसने दिन में इटालिया को गिरफ्तार किया। जमानत पर रिहा किये जाने के बाद, इटालिया ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई का लक्ष्य उन्हें परेशान करना है। उन्होंने कहा, ''इस तरह के बयान एक-दूसरे के खिलाफ सभी नेता देते हैं। सिर्फ मेरे खिलाफ ही प्राथमिकी क्यों दर्ज की गई? वे (पुलिस और सरकार) अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं।'' इटालिया के खिलाफ मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 500 (मानहानि), 504(शांति भंग करने के लिए उकसाने के मकसद के साथ इरादतन अपमान करना), 505-1बी (सरकार या आम जन के खिलाफ अपराध के लिए व्यक्ति को भड़काने का आपराधिक कृत्य), और 469 (प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से फर्जीवाड़ा करना) के तहत दर्ज किया गया था।

ड्रैगन के उड़ जाएंगे होश,आर-पार के मूड में है ताइवान, खरीदेगा 400 अमेरिकी एंटी-शिप मिसाइल

कीवं। चीन और ताइवान में बीच तनाव हर गुजरते दिन के साथ बढ़ता ही जा रहा है। ड्रैगन की ओर से सैटलाइट छोड़े जाने के कारण उत्तरी ताइपे में उड़ानों

में देरी की खबर सामने आई। वहीं ताइवान मुद्दे पर चीन ने अमेरिका को धमकी दी है। अब ड्रैगन की हरकतों से परेशान ताइवान भी आर-पार के मूड में नजर आ रहा है। उसने अमेरिकी हथियारों को लेकर एक बड़ी डील की है। ताइवान 400 से अधिक अमेरिकी एंटी शिप हार्पून मिसाइलें खरीदेगा।

एक व्यापार समूह के नेता और इस मुद्दे से परिचित लोगों के हवाले से बताया है कि ताइवान चीन से बढ़ते खतरे के मद्देनजर 400 से अधिक अमेरिकी भूमि-लॉन्च हार्पून मिसाइल खरीदेगा। पेंटागन ने खरीदार का नाम लिए बिना 7 अप्रैल को 400 एंटी-शिप मिसाइलों के लिए 1.17 बिलियन डॉलर के अनुबंध की घोषणा की और कहा कि उत्पादन मार्च 2029 तक पूरा होने की उम्मीद है।

पेंटागन ने सौदे पर सीधे टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ताइवान को पर्याप्त आत्मरक्षा क्षमता बनाए रखने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक रक्षा उपकरण और सेवाएं उपलब्ध कराता रहेगा। 2020 में ताइवान ने कहा था कि उसने अपने सैन्य आधुनिकीकरण के प्रयासों के तहत भूमि-आधारित बोइंग-निर्मित हार्पून एंटी-शिप मिसाइल खरीदने की योजना बनाई है। समाचार रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर, ताइवान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सुन ली-फांग ने एक नियमित मीडिया सम्मेलन में कहा कि मंत्रालय ने पहले खरीद के बारे में जानकारी का खुलासा ये कहते हुए किया था कि यह 'आश्वस्त' था कि सौदा तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगा।

भारत आईसीटी आयात शुल्क पर डब्ल्यूटीओ 'पैनल' के फैसले को अपीलीय संस्था में चुनौती देगा

नयी दिल्ली। भारत विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के व्यापार विवाद निपटान 'पैनल' के उस फैसले को चुनौती देगा, जिसमें कहा गया है कि कुछ सूचना और प्रौद्योगिकी उत्पादों (आईसीटी) पर देश का आयात शुल्क वैश्विक व्यापार के नियमों का उल्लंघन करता है। वाणिज्य मंत्रालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि फैसले का घरेलू उद्योग पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत डब्ल्यूटीओ की अपीलीय संस्था में अपील दायर करेगा, जो इस तरह के व्यापार विवादों पर अंतिम प्राधिकार है। जिनेवा स्थित डब्ल्यूटीओ के विवाद निपटान 'पैनल' ने सोमवार को कहा कि कुछ सूचना और प्रौद्योगिकी उत्पादों पर भारत द्वारा लगाये गये आयात शुल्क वैश्विक व्यापार नियमों का उल्लंघन करते हैं। इन शुल्कों के खिलाफ डब्ल्यूटीओ में यूरोपीय संघ, जापान और ताईवाई द्वारा एक विवाद दायर किये जाने के बाद यह फैसला आया है।

देश में कोविड-19 के 7,633 नए मामले सामने उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 61,233 हुई

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 7,633 नए मामले सामने आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,48,34,859 हो गई। वहीं देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 61,233 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से दिल्ली में चार और हरियाणा, कर्नाटक तथा पंजाब में एक-एक मरीज की मौत के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 5,31,152 हो गई। वहीं संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनःमिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से दम तोड़ने वाले मरीजों की सूची में चार नाम और जोड़े हैं।

अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी 61,233 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.14 प्रतिशत है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.68 प्रतिशत है। अभी तक कुल 4,42,42,474 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220,66,27,271 खुराक लगाई जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। चार मई 2021 को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। पिछले साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार चले गए थे।

मथुरा में श्रद्धालुओं की भीड़ नियंत्रित करने के लिए बड़ी कार्य योजना की जरूरत : हेमा मालिनी

मथुरा। मथुरा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद हेमा मालिनी ने स्थानीय प्रशासन और निर्वाचित प्रतिनिधियों से कहा कि पिछले दो साल से मथुरा-वृन्दावन में इतने बड़े पैमाने पर श्रद्धालु आने लगे हैं कि उन्हें संभालना मुश्किल हो गया है। यहां की स्थिति संभालने के लिए बहुत बड़ी कार्ययोजना की जरूरत है। भाजपा नेता ने कहा कि जिला प्रशासन और जनता सभी को मिलकर यहां की स्थिति सुधारने के लिए योजनाबद्ध तरीके से प्रयास करने होंगे। यहां पत्रकारों से बातचीत में स्थानीय सांसद ने कहा, ''पिछले दो साल से मथुरा-वृन्दावन में इतने बड़े पैमाने पर श्रद्धालु आने लगे हैं कि उन्हें संभालना मुश्किल हो गया है। यहां तक कि मैं वृन्दावन में अपना घर होने के बावजूद वहां तक बड़ी मुश्किल से पहुंच पाती हूं।''

उन्होंने कहा, ''यहां की स्थिति संभालने के लिए बहुत बड़ी कार्ययोजना की जरूरत है। जिला प्रशासन और जनता आदि सभी मिलकर यहां की स्थिति सुधारने के लिए योजनाबद्ध तरीके से प्रयास करने होंगे।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से महापौर पद के लिए नामांकन करने वाले विनोद अग्रवाल के समर्थन में यहां पहुंचीं हेमा मालिनी ने स्वीकार किया कि मथुरा-वृन्दावन के लिए बहुत बड़े स्तर पर काम करने की

जरूरत है, लेकिन निवर्तमान महापौर के कार्यकाल में जो कुछ काम होना चाहिए, वैसा नहीं हो पाया। उन्होंने कहा, ''जो कुछ भी हुआ है, मैं उससे पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हूं।''

उन्होंने कहा कि मथुरा को महानगर बनाने के लिए यहां विकास और स्वच्छता की जरूरत है। उन्होंने भाजपा के महापौर प्रत्याशी विनोद अग्रवाल के जीतने और अपनी योजना के मुताबिक काम करने की उम्मीद जताई। हेमा मालिनी ने माफिया-नेता अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्याओं पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार में उत्तर प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति कुल मिलाकर ''बहुत अच्छी'' है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक मेडिकल कॉलेज में जांच के लिए पुलिस कर्मियों द्वारा ले जाए जाने के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब देते समय हथकड़ी लगे अतीक (60) और अशरफ की पत्रकार के भेष में आए तीन लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। हेमा मालिनी के साथ जिले के प्रभारी मंत्री संदीप सिंह भी थे।

गहलोत के मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज, आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला

जयपुर। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री महेश जोशी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ जयपुर में 38 वर्षीय एक व्यक्ति को आत्महत्या के लिए कथित रूप से उकसाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रामप्रसाद ने सोमवार को सुभाष चौक इलाके के एक गोदाम में आत्महत्या कर ली। अपनी जीवन लीला समाप्त करने से पहले रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में शख्स ने आरोप लगाया कि कैबिनेट मंत्री और स्थानीय विधायक महेश जोशी, देवेंद्र शर्मा, ललित शर्मा, होटल रॉयल शेरेटन के मालिक मुंज टैंक, देव अवस्थी और लालचंद देवनानी ने उनके परिवार को इतना परेशान किया कि उन्हें मजबूर होकर ये कदम उठाना पड़ा। सुभाष चौक थाने के एसएचओ राम फूल मीणा ने कहा कि मृतक के भाई की शिकायत के आधार पर सोमवार रात प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच सीआईडी-सीबी द्वारा की जाएगी क्योंकि इसमें एक विधायक का नाम लिया गया है। इस बीच, मृतक के परिवार के सदस्य आरोपी के खिलाफ कार्रवाई और राज्य सरकार से मुआवजे की मांग को लेकर गोदाम के बाहर रामप्रसाद के शव के साथ धरने पर बैठ गए।

दुश्मनी भुला नई शुरुआत करते दुनिया के दो शिया सुन्नी देश, ईरान ने सऊदी के शाह से की ये गुजारिश

इस्लामाबाद। करीब सात साल बाद दुनिया के दो सबसे बड़े शिया और सुन्नी देश अपनी दुश्मनी को भुलाकर औपचारिक रिश्तों की नई शुरुआत कर रहे हैं। पिछले महीने चीन द्वारा मध्यस्थता के बाद रियाद द्वारा अपने राजनयिक मिशनों को फिर से खोलने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए ईरानी प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब भी पहुंचा था। अब ईरान ने आधिकारिक तौर पर सऊदी अरब के किंग को देश का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया है। इससे पहले सऊदी अरब के किंग ईरान के राष्ट्रपति को रियाद की यात्रा के लिए आमंत्रित कर चुके हैं।

सऊदी अरब और ईरान अपनी-अपनी राजधानी और अन्य शहरों में राजनयिक मिशन को फिर से खोलने पर सहमत हो गए। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी आईएसएनए ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। ईरानी प्रतिनिधिमंडल ईरानी दूतावास का दौरा करने और दोनों देशों के बीच हालिया समझौते के अनुसार वाणिज्य दूतावास को फिर से खोलने के लिए रियाद पहुंचा। लंबे समय से मध्य पूर्व के प्रतिद्वंद्वियों ने अब एक साथ काम करने का संकल्प लिया है। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी को सऊदी किंग सलमान द्वारा रियाद में आमंत्रित किया गया है।

चीन ने हाल में सऊदी अरब और ईरान के बीच वार्ता की मेजबानी करके वैश्विक मामलों में और बड़ी भूमिका निभाने की मंशा का संकेत दिया है। ईरान और सऊदी अरब सात साल के तनाव के बाद राजनयिक संबंध बहाल करने और दूतावासों को फिर से खोलने पर सहमत हो गए। पिछले महीने बीजिंग में हुआ यह समझौता चीन के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत के तौर पर देखा जा रहा है क्योंकि खाड़ी देशों का मानना है कि अमेरिका धीरे-धीरे मध्य पूर्व से पीछे हट रहा है।

क्या शरद पवार से रिश्ता तोड़ने का साहस जुटा पाएंगे अजित पवार?

30 विधायकों के समर्थन से मिला सकते हैं बीजेपी से हाथ

मुम्बई। महाराष्ट्र में एक सप्ताह से अधिक समय तक चली राजनीतिक उथल-पुथल को समाप्त करने और भाजपा के साथ हाथ मिलाने के बाद बागी शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने एक साल से भी कम समय में सीएम के रूप में पदभार संभाला। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार के बारे में बढ़ती अटकलें बीजेपी में शामिल होना एक और बवाल की तरफ इशारा कर रहा है। यहां तक कि शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने दावा किया कि राकांपा प्रमुख शरद पवार ने हाल ही में उद्धव ठाकरे से कहा कि उनकी पार्टी कभी भी भाजपा के साथ हाथ नहीं जोड़ेगी, भले ही कोई ऐसा करने के लिए व्यक्तिगत निर्णय लेता है। शरद पवार के भतीजे अजीत पवार से राकांपा के दो विधायकों ने कहा कि वे अपने नेता अजित पवार के प्रति वफादार रहेंगे, चाहे वह आने वाले दिनों में कोई भी 'निर्णय' ले। विधानसभा में विपक्ष के नेता और चार बार के उपमुख्यमंत्री अजित पवार राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के साथ हाथ मिलाने के लिए पाला तोड़ सकते हैं। हालांकि विपक्ष के विधायकों ने यह बात कही है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित है। हालांकि, अजित पवार ने सोमवार को इन खबरों को झूठा करार दिया कि उन्होंने मंगलवार को विधायकों की बैठक बुलाई थी। आइए नजर डालते हैं कि मौजूदा घटनाक्रम के बारे में सूत्र क्या कहते हैं- सूत्रों के मुताबिक, विपक्ष के 53 में से लगभग 34 विधायकों ने भाजपा के साथ हाथ मिलाने और शिंदे-फडणवीस सरकार का हिस्सा बनने के अजित पवार के इरादे का आंतरिक रूप से समर्थन किया है। सूत्रों ने कहा है कि प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे, छगन भुजबल और धनंजय मुंडे सहित प्रमुख चेहरों ने अजीत पवार के इरादों का समर्थन किया है। हालांकि, राज्य एनसीपी अध्यक्ष जयंत पाटिल और पार्टी नेता जितेंद्र अवध उनके भाजपा से हाथ मिलाने के पक्ष में नहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक अजित खेमे के कुछ विधायकों ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की और उन्हें सूचित किया कि विधायक भाजपा के साथ गठबंधन करने को तैयार हैं, हालांकि शरद पवार ने पहले ही भाजपा के साथ गठबंधन करने से इनकार कर दिया था। अजीत के समर्थक क्यों स्विच करना चाहते हैं सूत्रों ने कहा है कि विधानसभा में भारी संख्या में शिंदे-भाजपा सरकार के पक्ष में है, लेकिन आगामी आम चुनावों के लिए, अगर अजीत, एनसीपी के अन्य नेताओं के साथ शामिल होते हैं, तो यह महाराष्ट्र के रूप में एनडीए के लिए क्लीन स्वीप हो सकता है। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश के बाद दूसरी सबसे बड़ी संख्या वाली लोकसभा है।

सूत्रों ने कहा, अजीत खेमे के लिए, सत्तारूढ़ दल में शामिल होने से उन्हें केंद्रीय एजेंसियों से राहत मिल सकती है, क्योंकि अजित और उनके परिवार, प्रफुल्ल पटेल और हसन मुश्रीफ जैसे कई विपक्षी नेता प्रवर्तन निदेशालय की गर्मी का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा, सत्ताधारी दल के साथ हाथ मिलाने से उनके निर्वाचन क्षेत्रों में धन का मुक्त प्रवाह सुनिश्चित होगा, जिससे उन्हें अगले चुनावों से पहले अपने निर्वाचन क्षेत्रों में बढ़त मिलेगी। चुनौतियाँ सूत्रों ने कहा है कि अजीत पवार ने अभी तक शिंदे के रास्ते (राकांपा को तोड़कर पार्टी संभालने) का साहस नहीं जुटाया है। कई विधायक सोचते हैं कि शरद पवार के बिना यह कदम फलदायी नहीं होगा।

एक्ट्रेस जया प्रदा कभी नहीं बन पाईं मां कैसा रहा फिल्मों से राजनीति का सफर

मुम्बई। बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस जिन्होंने 80-90 के दशक पर बड़े पर्दे पर राज किया और अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया। लेकिन एक दौर उनकी जिंदगी में ऐसा भी रहा जब उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। इसके बाद इस एक्ट्रेस ने अपनी दूसरी पारी बतौर नेता शुरू की। हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा और राजनेता जया प्रदा की। इस अभिनेत्री की असल जिंदगी भी फिल्मी कहानी की तरह रोमांस, एक्शन, ड्रामा से भरपूर रही। 3 मार्च को वह जन्मदिन मना रही हैं। आइए उनके जन्मदिन के मौके पर जानते हैं जयाप्रदा की जिंदगी से जुड़ी कुछ रोचक बातें... **जन्मः** बॉलीवुड की अभिनेत्री जया प्रदा का जन्म 3 अप्रैल 1962 में आंध्र प्रदेश के एक छोटे से गांव राजमुंदरी में हुआ था। दरअसल उनका असली नाम ललिता रानी था। जयाप्रदा के पिता कृष्णा राव तेलुगू फिल्मों के फाइनेंसर थे। जया जब स्कूल में पढ़ाई कर रही थीं। उस दौरान उन्होंने अपने स्कूल के वार्षिक कार्यक्रम में एक डांस परफॉर्मेंस दी थी। इस कार्यक्रम में एक बड़े फिल्म निर्देशक भी शामिल हुए थे। फिल्म निर्देशक को जया प्रदा द्वारा किए गए डांस को नोटिस किया। उन्होंने जया को महज 13 साल की उम्र में अपनी तेलुगू फिल्म 'भूमि कोसम' में एक सीन का ऑफर किया। **फिल्मी करियरः** भूमि कोसम फिल्म में जया प्रदा ने सिर्फ तीन मिनट का डांसिंग सीन किया था। कुछ इस तरह से उनके फिल्मी करियर की शुरूआत हुई थी। इस फिल्म के लिए जया को 10 रुपए फीस के तौर पर मिले थे। महज 13 साल में फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय होने वाली जया ने कई बड़ी और हिट फिल्मों में अभिनय किया। उस दौरान उनकी गिनती टॉप की एक्ट्रेस में की जाती थी। लेकिन अपने फिल्मी करियर के टॉप पर रहने वाली जया अपनी निजी जिंदगी में खुशहाल नहीं रहीं। उनके पर्सनल लाइफ से जुड़े कई विवाद हैं। 80-90 के दशक में जया का करियर बुलंदियों पर रहा। उस दौरान जया ने करीब 200 से भी अधिक फिल्मों मे काम किया। 80- 90 के दशक के करीब हर बड़े अभिनेता के साथ जया ने फिल्म की। लेकिन उनकी जोड़ी को सबसे ज्यादा अमिताभ बच्चन और जितेंद्र के साथ पसंद की गई। जया प्रदा ने श्रीदेवी के साथ भी लगभग एक दर्जन फिल्मों में अभिनय किया। हालांकि उस दौर में जया और श्रीदेवी एक दूसरे की कॉम्पटीटर हुआ करती थीं। कहा तो यहां तक जाता है कि इस दोनों अभिनेत्रियों के बीच कई सालों तक बातचीत भी नहीं हुई थी। जया प्रदा ने साल 2002 में आधार फिल्म से मराठी फिल्म जगत में कदम रखा था। जया ने करीब 7 भषाओं में फिल्में की हैं। सिर्फ इतना ही नहीं जया प्रदा चेन्नई में एक थियेटर की मालकिन भी हैं। **शादी और पर्सनल लाइफः** जया प्रदा ने भले ही अपने करियर में सफलता का भरपूर स्वाद चखा और कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया। लेकिन उनकी पर्सनल लाइफ काफी विवादों में रही। बता दें कि जब जया का करियर अपनी बुलंदी पर था, तब उन्होंने अचानक से साल 1986 में श्रीकांत नहाटा से शादी कर ली। इतना ही नहीं जयाप्रदा ने जिस शख्स से शादी की थी वह पहले से शादीशुदा था। श्रीकांत नहाटा ने जया प्रदा से शादी के पहले अपनी पहली पत्नी से तलाक नहीं लिया था। **नहीं मिला पत्नी का दर्जाः** साथ ही जया से दूसरी शादी के बाद भी श्रीकांत नहाटा ने पहली पत्नी से संबंध रखे और उनसे बच्चे भी हुए। हालांकि जया अपने पति, उनकी सौतन और तीन बच्चों के साथ रह रही थीं। लेकिन जया को कभी भी पत्नी का दर्जा नहीं मिल पाया। जिस प्यार के लिए उन्होंने श्रीकांत की दूसरी पत्नी बनना स्वीकार किया था। जया और श्रीकांत के बच्चे नहीं हुए। कहा जाता है कि जयाप्रदा बच्चा चाहती थीं लेकिन श्रीकांत ऐसा नहीं चाहते थे। बाद में उन्होंने श्रीकांत से अपने सारे संबंध खत्म कर लिए। **राजनीतिक सफरः** जयाप्रदा साल 1994 में एनटी रामाराव के कहने पर तेलुगू देसम पार्टी में शामिल हो गईं। लेकिन साल 2008 में उन्होंने वह पार्टी छोड़ दी और समाजवादी पार्टी ज्वॉइन कर दी। ऐसा भी कहा जाता है कि समाजवादी पार्टी में जयाप्रदा को लाने का श्रेय अमर सिंह को जाता है। समाजवादी पार्टी के टिकट पर जयाप्रदा रामपुर से दो बार सांसद रहीं हैं। राजनीतिक गलियारे में जया और अमर सिंह की दोस्ती भी लगातार बनी रहती थी। वहीं जब अमर सिंह ने सपा का साथ छोड़ा तो जयाप्रदा ने भी इस पार्टी से अपना रिश्ता खत्म कर लिया था और वह लोकदल में शामिल हो गई थीं। बॉलीवुड एक्ट्रेस जयाप्रदा ने हाल ही में बीजेपी का दामन थामा। जिसके बाद साल 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के टिकट पर जयाप्रदा ने फिर रामपुर से चुनाव लड़ा। लेकिन आजम खान के सामने उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

अल्लू अर्जुन ने अपने बेटे के जन्मदिन पर शेयर की ये खास तस्वीर

मुम्बई। साउथ फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन इस समय मालदीव में अपनी पत्नी स्नेहा रेड्डी और बच्चों अयान और अरहा के साथ हैं। उन्होंने अपने बेटे अयान के सातवें जन्मदिन पर शुभकामना देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने एक तस्वीर भी साझा की जिसमें छोटे अयान को अल्लू अर्जुन, सन्हेा और अरहा के साथ जन्मदिन का केक काटते हुए देखा जा सकता है। अल्लू अर्जुन और सन्हेा के घर में 3 अप्रैल 2014 को बेबी बॉय अयान ने जन्म लिया था।

अल्लू अर्जुन ने अपने बेटे के जन्मदिन की केक काटते हुए एक क्यूट फोटो ट्विटर पर शेयर की है। उन्होंने अपने बेटे के सातवें जन्मदिन पर एक हार्दिक नोट लिखा है। अल्लू अपने बेटे से बहुत प्यार करते हैं जिसका इजहार उन्होंने कैप्शन में शेयर किया है। अपने बेटे अयान को बधाई देते हुए, अल्लू अर्जुन ने लिखा, 'मेरे प्यारे बेटे बाबा अयान को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएँ। आपको बहुत प्यार। आने वाले कई और खूबसूरत वर्षों की शुभकामनाएँ।

सामंथा, रकुल प्रीत और अन्य एक्ट्रेस के बाद, अल्लू अर्जुन ने मालदीव में एक छोटी छुट्टी लेने का फैसला किया, जो हर किसी का पसंदीदा हॉलीडे डेस्टिनेशन बन गया है। अल्लू अर्जुन ने मालदीव से अपने रिसॉर्ट में स्नेहा और अरहा का एक वीडियो इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की है।

जब फिल्में नहीं चल रही थी तो मैंने कुछ और करने का सोचा था : शाहिद कपूर

मुंबई। अभिनेता शाहिद कपूर ने कहा कि जब उनकी फिल्में नहीं चल रही थी तो वह किसी और काम में हाथ आजमाने की सोच रहे थे। इस साल कपूर की फिल्म 'कबीर सिंह' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की। यह फिल्म एक ऐसे विफल क्रिकेटर की कहानी है जो दोबारा 30वें साल में मैदान में वापस आने का निणञ्य लेता है क्योंकि उसके मन में भारतीय क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व करने की इच्छा रहती है और उसका बेटा भी जर्सी की इच्छा रखता है। ऐसा वक्त हर किसी की जिंदगी में आता है जब ऐसा लगता है कि यह मेरे साथ ही क्यों हो रहा है? क्या मैंने कुछ गलत किया है?'' उन्होंने कहा कि उन्हें धीरे-धीरे यह समझ में आया कि व्यक्ति को जो उसे अच्छा लगता है, उसे सफलता के तराजू पर बिना तौले उस काम को करना जारी रखना चाहिए।

पीकू के बाद फिर साथ काम करेंगे दीपिका और अमिताभ

नई दिल्ली। दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन हॉलीवुड फिल्म, द इंटर्न के भारतीय रूपांतरण के लिए फिर से एक साथ काम करने के लिए तैयार है। रीमेक का निर्देशन अमित रविन्द्रनाथ शर्मा द्वारा किया जाएगा और सुनीर खेतरपाल और दीपिका द्वारा निर्मित किया जाएगा। दीपिका ने फिल्म की घोषणा करने के लिए इंस्टाग्राम पर एक पोस्टर साझा किया। उन्होंने लिखा, 'मेरे सबसे खास सह-कलाकार के साथ फिर से सहयोग करने के लिए मैं बहुत ज्यादा खुश हूं। द इंटर्न हॉलीवुड की 2015 में आयी एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है,

जिसमें रॉबर्ट डी नीरो और ऐनी हैथवे ने प्रमुख भूमिकाओं में अभिनय किया था। फिल्म नैन्सी मेयर्स द्वारा लिखित और निर्मित की गई थी। यह फिल्म एक 70 वर्षीय व्यक्ति (डी नीरो) की कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ऑनलाइन फैशन वेबसाइट पर सीनियर इंटर्न बन जाता है। ऐनी हैथवे, जो कंपनी के सीईओ की भूमिका निभाते हैं, डी नीरो के चरित्र के साथ एक अप्रत्याशित दोस्ती बनाती है। फिल्म को मिश्रित समीक्षा मिली थी।आपको बता दें कि बिग बी और दीपिका पादुकोण ने शूजीत सरकार की 2015 में आयी फिल्म पीकू में साथ काम किया था। अभिताभ बच्चन ने फिल्म में एक पिता की भूमिका निभाई थी और बेटी की भूमिका में दीपिका नजर आयी थी। उनकी बॉन्डिंग को आलोचकों और दर्शकों ने काफी सराहा।

तनुश्री दत्ता 10 साल पहले अचानक हुई थीं गायब

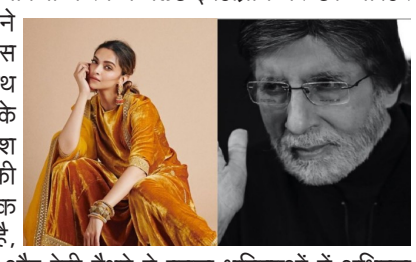

नई दिल्ली। बॉलीवुड की बोल्ड और डस्की ब्यूटीज में से एक रहीं तनुश्री दत्ता दस साल पहले अचानक से इंडस्ट्री को अलविदा कहकर विदेश में बस गईं। लेकिन साल 2018 में तनुश्री वापस इंडिया आईं और एक इंटरव्यू के दौरान तनुश्री ने अपने शोषण की कहानी का सच बताकर सनसनी फैला दी। भारत में कैंपेन की शुरुआत करने का शेयर तनुश्री को जाता है। देश की महिलाओं के लिए बीच मजबूत और पावरफुल महिला बनकर छाने वाली तनुश्री आज अपना 35वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। मिस इंडिया कॉन्टेस्ट जीतने के बाद तनुश्री दत्ता ने सबको चौंका दिया था। तनुश्री का बोल्ड और बिंदास चढ़कर बोला। 2004 में मिस इंडिया यूनिवर्स बनकर ही बॉलीवुड में काम मिल गया। इमरान हाशमी के 'आशिक बनाया आपने' ने फैंस के बीच अपनी जगह अचानक ही तनुश्री ने बॉलीवुड से विदा ले ली। वह फिल्म 'अपार्टमेंट' में नजर आईं। इसके बाद कोई खबर सामने नहीं आई लेकिन 2018 में तनुश्री ने कई बड़ राज खोलकर सामने रख दिए। साथ हुई घटना के बारे में बताते हुए साल पहले फिल्म 'हॉर्न ओके प्लीज' के दौरान दिग्गज एक्टर नाना पाटेकर ने प्रताडि़त करने की कोशिश की थी। 2009 में उठे इस विवाद के बाद तनुश्री फिल्मों से दूर हो गई थीं। तनुश्री ने एक एंटरटेनमेंट चैनल को दिए अपने इंटरव्यू में कहा था कि 'हर कोई जानता है कि नाना

बॉलीवुड में अपनी धमाकेदार एंट्री से अंदाज हर किसी की जुबान पर सुखियों में छाई तनुश्री को जल्द साथ आई तनुश्री की फिल्म बनाई लेकिन 2009 के बाद आखिरी बार साल 2010 में लाइमलाइट में तनुश्री की की शोषण की कहानी तनुश्री ने अपने कहा कि 10 के एक गाने उन्हें

पाटेकर महिलाओं के साथ कैसे अभद्रता का व्यवहार करता है। इंडस्ट्री का हर शख्स इसके पीछे की कहानी जानता है कि उसने एक्ट्रेसस को मारा है, उनका उत्पीड़न किया है। महिलाओं के प्रति उसका व्यवहार हमेशा से ही काफी क्रूर रहा है लेकिन कभी किसी मीडिया ने इसके बारे में नहीं दिखाया। तनुश्री के इस बयान के बाद कई महिला कलाकारों और मीडिया से जुड़ी लड़कियों ने अपनी आपबीती सुनकर इस मूवमेंट को आगे बढ़ाया। तनुश्री के इस सराहनीय कदम को 16 फरवरी इंडिया कॉन्फ्रेंस 2019 हार्वर्ड बिजनेस स्कूल और हार्वर्ड केनेडी स्कूल के सनतक छात्रों द्वारा आयोजित एक फ्लैगशिप में सम्मानित किया गया। फिलहाल तनुश्री वापस अमेरिका चली गई हैं।

उरी के बाद अब सेना के इस वीर की बायोपिक में नजर आयेंगे विक्की कौशल

नयी दिल्ली।भारतीय सेना की सर्जिकल स्ट्राइक पर आधारित फिल्म उरी के बाद अब विक्की कौशल की अगली फिल्म युद्ध नायक सैम मानेकशॉ की जिंदगी पर आधारित होगी। फिल्म का नाम 'सैम बहादुर' रखा गया है। सैम मानेकशॉ की जयंती पर फिल्म के शीर्षक का अनावरण किया गया। फिल्म में विक्की ने टाइटुलर (सैम मानेकशॉ) की भूमिका निभाई है। फिल्म सैम मानेकशॉ की बायोपिक 'सैम बहादुर' का निर्देशन मेघना गुलजार द्वारा किया जाएगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए, विक्की कौशल ने एक

बयान में कहा, 'मैंने हमेशा अपने माता-पिता से सैम बहादुर के बारे में कहानियाँ सुनी थीं जो पंजाब से हैं और 1971 की लड़ाई देख चुके हैं लेकिन जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मैं पूरी तरह से हैरान हो गया था। वह एक महान और देशभक्त थे, जिसे आज भी याद किया जाता है और तब से प्यार किया जाता है और फिल्म में उसकी भावना को कैप्चर करना मेरे लिए सबसे ज्यादा महत्व रखता है। मुझे रोनी स्क्रूवाला और अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली विक्की कौशल के साथ अपनी कहानी बताने के लिए सम्मानित किया गया है। मार्शल की जयंती, उनकी कहानी को इसका नाम मिला है।

आचार्य रजनीश पर फिल्म बनाएंगे सुभाष घई, कहा-जबलपुर में ओशो के नाम पर बने यूनिवर्सिटी

जबलपुर। मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने मध्य प्रदेश सरकार से दिवंगत आध्यात्मिक गुरु आचार्य रजनीश 'ओशो'की ध्यान विधि पर अध्ययन के लिए जबलपुर में एक अनुसंधान केंद्र खोलने की मांग की। वह जबलपुर में आचार्य रजनीश के जन्मदिवस पर आयोजित बृहस्पतिवार से शुरू तीन दिवसीय 'ओशो अंतरराष्ट्रीय महोत्सव' के अवसर पर यहां तरंग सभागार में मीडिया से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं मध्य प्रदेश सरकार से अनुरोध करता हूं कि जबलपुर में एक ऐसा बड़ा अनुसंधान केंद्र या संस्थान खोलें, जहां पर आचार्य रजनीश 'ओशो' की ध्यान विधि की शिक्षा लोगों को दी जा सके। फिल्मकार ने कहा कि जबलपुर ओशो की कर्मभूमि है। यहां उन्होंने आध्यात्म को आत्मसात किया, इसलिए यहां एक शैक्षिक संस्थान होना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे अपने बच्चों को ओशो के संदेशों से परिचित करवाएं, उनके वक्तव्य सुनाएं और ध्यान के लिए प्रेरित करें, जिससे उनका नजरिया जिंदगी के प्रति बदले और वे अंदर से भी मजबूत और सक्षम बन सकें।

थिएटरों में दर्शकों को खींचने के लिए कहानी पर निर्भर रहना होगा-तापसी पन्नू

नई दिल्ली। अभिनेत्री तापसी पन्नू अपने काम की ओर दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए कहानी को अहम मानती हैं। उन्होंने कहा कि वह इतनी बड़ी स्टार नहीं है कि दर्शक उनके नाम से ही थिएटरों में उमड़ पड़ें। तापसी की फिल्म चाहे ''नाम शबाना'' हो, ''पिंक'', ''मुल्क'' या हाल में रिलीज ''बदला'' हो, इनके संवादों ने इन फिल्मों को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। अभिनेत्री ने कहा कि दर्शकों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया ने एक कलाकार के तौर पर उनके आत्मविश्वास को मजबूत किया।

तापसी ने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''मैं ऐसी इंसान हूं जिसके बारे में लोग मेरी फिल्मों के जरिए धीरे-धीरे एक छवि बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं धीरे-धीरे दर्शकों का विश्वास हासिल करने की कोशिश कर रही हूं। जिस दिन विश्वास हासिल कर लूंगी तो मैं उम्मीद कर सकती हूं कि मेरी फिल्में रिलीज से पहले भी चर्चा में आएंगी। फिलहाल तो मुझे कहानी पर निर्भर रहना होगा।'' उनके अनुसार, दर्शक महिला केंद्रित फिल्मों का स्वागत कर रहे हैं और यह बॉलीवुड की हीरोइन बनने का अच्छा वक्त है। वह मानती हैं कि दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने में उनकी फिल्मों के संवादों की भी बड़ी भूमिका रही है।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

राशिफल

मेष-ःतली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च़ न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-ःजीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-ःक्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-ःआज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-ःआपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में कामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-ःप्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-ः जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज़ करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-ःछात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-ःइससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-ःलंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-ःभावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-ःआज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

ट्रेजिडी क्वीन मीना कुमारी के आखिरी दिनों में शराब बनी सहारा

मुम्बई। बॉलीवुड की अनमोल रत्न यानी मीना कुमारी किसी पहचान की मोहताज नहीं है। मीना कुमारी बला की खूबसूरत होने के साथ ही एक मंझी हुई अभिनेत्री और ट्रेजडी क्वीन थीं। लेकिन उनकी किस्मत इतनी खुबसूरत नहीं थी। आज ही के दिन यानी की 31 मार्च को उनकी मौत हुई थी और इस खूबसूरत अदाकार ने दुनिया को अलविदा कह दिया था। कहा जाता है कि उनकी लाइफ में इतने स्ट्रगल थे कि जब मीना कुमारी की मौत हुई तो उनकी दोस्त रही नरगिस दत्त ने उन्हें मौत की बधाई दी थी। आइए जानते हैं मीना कुमारी की जिंदगी से जुड़ी कुछ खास बातें... **जन्मः** मीना कुमारी का जन्म 1 अगस्त 1933 को मुंबई में हुआ था। उनके जन्म से पहले एक बहन और थी। मीना कुमारी के जन्म के दौरान उनके पिता अली बख्श बेटा चाहते थे। लेकिन बेटी के जन्म होने पर परिवार में किसी तरह की खुशियां नहीं मनाई गई। वहीं मीना कुमारी के पिता ने उन्हें एक अनाथालय में छोड़ दिया। लेकिन कुछ ही देर बाद पिता का दिल पसीज उठा तो वह बेटी को लेने वापस आनाथालय पहुंच गए। वहां पर मीना के पिता अली बख्श ने देखा कि बेटी के शरीर को चीटियां काट रही थीं। यह देख पिता का दिल और पसीज गया, वह उन्हें लेकर

घर चले आए। मानी कुमारी के बचपन का महजबीं बानो था। **फिल्मों में करियरः** महजबी बानों उर्फ मीना बचपन से गजब की खूबसूरत थीं। वहीं घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उन्होंने बचपन से ही फिल्मों में अभिनय करना शुरू कर दिया था। पहले वह मां-बाप और भाई बहनों के लिए एक्टिंग कर पैसे कमाती थीं। बाद में एक्टिंग उनका शौक बन गया। मीना की खूबसूरती देख लोग अक्सर यही कहते थे कि वही है, उनकी सिंड्रेला, उनकी मोहब्बत, उनके दिल का चैन, ख्वाबों की परी और हकीकत की अप्सरा।इसके बाद उन्होंने कभी पीछे पलट कर नहीं देखा। फिल्म बैजू बावरा फिल्म लोगों को इतनी पसंद आई कि यह फिल्म करीब 100 हफ्तों तक थियेटर में लगी रही। **लव स्टोरीः** मीना कुमारी पर अभिनेता राजकुमार भी फिदा थे। वह मीना को देखकर अपने डायलॉग तक भूल जाते थे। लेकिन मीना कुमारी के दिल में तो कोई और ही बस चुका था। मीना कुमारी और कमाल साहब की लव स्टोरी बेहद दिलचस्प थी। कमाल साहब कुछ मुलाकातों के बाद ही मीना को अपना दिल दे बैठे थे। वह मीना से शादी करना चाहते थे। लेकिन कमाल के पहले से शादीशुदा होने के कारण मीना के पिता इस रिश्ते के खिलाफ थे। लेकिन मीना पर भी प्यार का रंग ऐसा चढ़ा कि महज 19 साल की उम्र में वह अपने पिता के खिलाफ चली गईं और कमाल साहब से गुपचुप तरीके से निकाह कर लिया। शादी के बाद कमाल चाहते थे कि वह फिल्मों में काम न करें। लेकिन उन्होंने फिल्मों में काम करने के लिए मीना पर कुछ पाबंदियां लगाई थीं। कहीं न कहीं यह भी कहा जाता था कि वह मीना कुमारी की सफलता से असुरक्षित महसूस करने लगे थे। **ऐसे हुआ रिश्ते का अंतः** रोज-रोज के झगड़े से दोनों के बीच दूरियां आने लगी थीं। वहीं एक दिन झगड़ा ज्यादा बढ़ने पर कमाल ने मीना कुमारी को तीन तलाक दे दिया। रिश्ता टूटने के बाद मीना कुमारी ने शरबा का सहारा लिया और वह दिन-रात शराब के नशे में चूर रहने लगीं।

मौतः दिन-रात शराब के नशे में रहने वाली मीना कुमारी को लीवर सिरोसिस की बीमारी हो गई। कहा तो यहां तक जाता है कि अपने आखिरी दिनों में वह दवाइयां भी शराब से लेती थीं। मीना कुमारी जब बीमार हुईं तो नरगिस दत्त के अलावा उनके चंद दोस्तों में शामिल धर्मेंद्र भी उनसे मिलने के लिए जाते थे। मीना कुमारी आसमां वह सितारा थीं, जिस हर कोई पाना चाहता था। लेकिन महज 38 साल की उम्र में 31 मार्च 1972 को उनका निधन हो गया। हिंदी सिनेमा में मीना कुमारी अपने समय की चर्चित अभिनेत्री थीं। जिन्होंने अपनी कामयाबी का एक नायाब इतिहास रचा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।